हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 178 बेमेतरा, बुधवार 18 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

अबू सलेम को झटका, 25 साल की सजा पूरी होने की दलील खारिज

नई दिल्ली। 1993 के खौफनाक मुंबई सीरियल बम धमाकों के दोषी और अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को देश की सर्वोच्च अदालत से बहुत बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सलेम की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें उसने अपनी रिहाई की गुहार लगाई थी। यह अहम फैसला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सुनाया है। अदालत के इस सख्त रुख के बाद यह साफ हो गया है कि इस खूंखार गैंगस्टर को अभी जेल की सलाखों के पीछे ही रहना होगा। सुनवाई के दौरान अबू सलेम के वकील ने अदालत में यह दलील दी कि उनके मुवक्किल ने जेल में अपनी 25 साल की सजा पूरी कर ली है, इसलिए अब उसे कानूनी तौर पर रिहा कर दिया जाना चाहिए। वकील ने अदालत को बताया कि सलेम को 11 नवंबर 2005 को हिरासत में लिया गया था और इस लिहाज से उसकी सजा की अवधि पूरी हो चुकी है। हालांकि, इस दलील पर सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत कड़ा सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या बचाव पक्ष छूट (रिमिशन) के समय को जोड़कर 25 साल की यह गणना कर रहा है।

भुवनेश्वर ब्लास्ट का खौफनाक सीसीटीवी फुटेज आया सामने

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के सुंदरपदा इलाके में हुए भीषण बम विस्फोट मामले में एक चौंकाने वाला अपडेट सामने आया है। 27 जनवरी की शाम को हुए इस खौफनाक धमाके का अब एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें विस्फोट की भयानकता को साफ तौर पर देखा जा सकता है। फुटेज के अनुसार, धमाका इतना शक्तिशाली था कि पूरे इलाके में तेज झटके महसूस किए गए और दहशत में आए लोग अपने घरों से बाहर भागने लगे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह धमाका एक मकान की छत पर अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री बनाते समय हुआ था। इस अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आकर कुल चार लोग बुरी तरह से झुलस गए थे। घटना के तुरंत बाद सभी घायलों को पास के कैपिटल अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

गंगावती कोर्ट का बड़ा फैसला : दुष्कर्म, हत्या और लूट के मामले में तीनों को मौत की सजा

बेंगलुरु। कर्नाटक के कोप्पल जिला के सनापुर कांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए गंगावती सिविल कोर्ट ने तीन दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने इस्राइली महिला से सामूहिक दुष्कर्म, एक युवक की हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और जबरन वसूली जैसे गंभीर आरोपों को साबित माना। अभियोजन पक्ष के अनुसार 6 मार्च 2025 की रात सनापुर क्षेत्र में आरोपियों ने पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया। हमले के दौरान एक युवक की हत्या कर दी गई ।

मैक्रों से मुलाकात कर पीएम मोदी बोले

एवरेस्ट तक उड़ने वाला हेलिकॉप्टर बनाएगा भारत-मोदी

मुंबई/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुंबई में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जहां दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई। पीएम मोदी ने कहा, मुझे अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों का मुंबई में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमने मिलकर भारत-फ्रांस संबंधों को नई मजबूती और नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। आज हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा हेलीकॉप्टर है जो माउंट एवरेस्ट तक उड़ चुका है, और अब इसका निर्माण भारत में होगा। मोदी ने आगे कहा कि भारत-फ्रांस पार्टनरशिप सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता (स्टैबिलिटी) और प्रगतिशील सहयोग (ग्लोबल प्रोग्रेसिव पार्टनरशिप) का प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि 2026 भारत और यूरोप के संबंधों में एक टर्निंग पॉइंट साबित हो रहा है। कुछ दिन पहले ही भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच इतिहास का सबसे बड़ा ट्रेड डील हुआ है, जो फ्रांस के साथ हमारे रिश्तों को भी और मजबूत करेगा। इससे पहले, राष्ट्रपति मैक्रों ने मुंबई पहुंचने पर बॉलीवुड की प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। उन्होंने अनिल कपूर, मनोज बाजपेयी, शबाना आजमी, ऋचा चड्ढा, ज़ोया अख्तर, नीतेज घायवान और ग्रैमी विजेता संगीतकार रिकी केज जैसे सेलिब्रिटीज

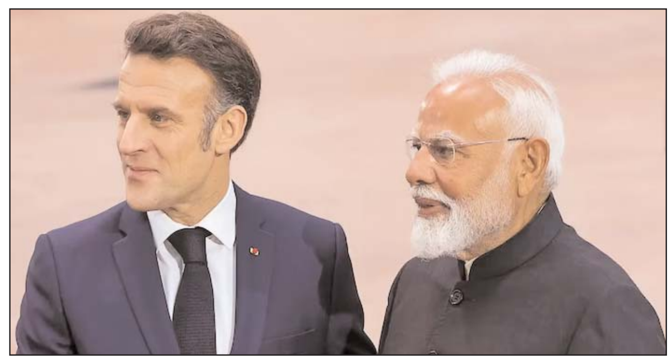

से मिलकर भारतीय सिनेमा के 'लीजेंड्स' की तारीफ की। मैक्रों ने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर करते हुए लिखा, भारतीय सिनेमा के लीजेंड्स के साथ... संस्कृति हमें एकजुट करती है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस लोक भवन में डेलीगेशन-लेवल वार्ता और असेंबली लाइन के वर्चुअल उद्घाटन के बाद हुई, जो भारत-फ्रांस रक्षा, एयरोस्पेस, इनोवेशन और एआई सहयोग को नई दिशा दे रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत एक भरोसेमंद साझेदार है और इसी विश्वास के आधार पर फ्रांस अपनी उन्नत तकनीक भारत के साथ साझा कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सहयोग रक्षा, एयरोस्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लीन एनर्जी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक फैला है। मैक्रों ने कहा, हम भारत पर भरोसा करते हैं। हमारी साझेदारी रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित है, जहां दोनों देश स्वतंत्र रूप से अपने फैसले लेते हैं और किसी बाहरी दबाव में नहीं आते। उन्होंने बताया कि फ्रांस की नीति हमेशा रणनीतिक स्वायत्तता पर केंद्रित रही है। भारत के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, जॉइंट प्रोडक्शन और इनोवेशन इसी सिद्धांत के तहत आगे बढ़ रहे हैं। हाल ही में हेलीकॉप्टर असेंबली लाइन और अन्य रक्षा परियोजनाएं इस गहरे भरोसे और दीर्घकालिक सहयोग का उदाहरण हैं।

भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंध विशेष और अद्वितीय हैं-राष्ट्रपति मैक्रों

पीएम मोदी के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने संबोधन में सबसे पहले भारत में अपने चौथे औपचारिक दौरे के दौरान गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंध विशेष और अद्वितीय हैं, जो विश्वास, पारदर्शिता और महत्वाकांक्षा पर आधारित हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत फ्रांस की साझेदारी एक फोर्स फॉर ग्लोबल स्टैबिलिटी है। हम बहुपक्षीय डायलॉग पर जोर देना जारी रखेंगे। हम एकमत हैं कि वैश्विक संस्थानों के सुधारों से ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन, पश्चिमी एशिया या वैश्विक दक्षिण हम हर समस्या के खात्मे के लिए साथ काम करते रहेंगे। भारत और फ्रांस दोनों ही प्राचीन और समृद्ध सभ्यताएं हैं। हम जल्द ही फ्रांस में स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर खोलने जा रहे हैं।

नेताओं के भाषणों पर कोर्ट की बड़ी नसीहत

माहौल जहरीला हो रहा है देश में भाईचारा बढ़ाएं....

नई दिल्ली। देश में नेताओं के भाषणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। मंगलवार को एक सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं से राजनीतिक भाषणों पर दिशानिर्देश के लिए एक नई याचिका दाखिल करने को कहा है। चीफजस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने मौजूदा जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में नेताओं और मीडिया के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी।

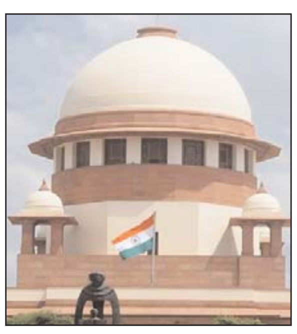

याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कुछ नेताओं के भाषण भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करते हैं। याचिकाकर्ताओं की तरफसे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने कहा कि देश में माहौल जहरीला होता जा रहा है।

लाल आतंक' का अंत करीब

सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी...सुकमा में 22 नक्सलियों ने डाले हथियार,एक महिला भी शामिल

सुकमा। नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुकमा जिले में 22 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। इस घटना को नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। आत्मसमर्पण की यह प्रक्रिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस बड़ी सफलता में जिला रिजर्व गार्ड, जिला पुलिस बल, क्षेत्रीय फील्ड टीम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और

कोबरा बटालियन की सराहनीय भूमिका रही। सुरक्षाबलों द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे सघन तलाशी व घेराबंदी अभियानों के कारण नक्सली संगठनों पर लगातार दबाव बना हुआ था। प्रशासन के अनुसार, सरकार की पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति, बेहतर जीवन की संभावनाओं और विकास कार्यों के विस्तार से प्रभावित होकर नक्सलियों ने हथियार छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को नियमानुसार पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे नक्सल मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक मजबूत कदम बताया है। उनका कहना है कि आने वाले समय में नक्सलवाद के प्रभाव वाले क्षेत्रों में शांति, विकास और विश्वास का माहौल और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। यह कदम क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

असम सीएम ने सुनाया 2015 वाला हैरत अंगेज किस्सा

राहुल गांधी के एक फोन से भाजपाई हुए हिमंत बिस्वा...

नई दिल्ली/ एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि 2014 में सोनिया गांधी ने उनसे मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने की तारीख तय करने को कहा था, क्योंकि उनके पास 58 एमएलए का समर्थन था। इसी बीच 7 से राहुल गांधी का एक कॉल पार्टी नेताओं तक पहुंचा, जिससे स्थिति पूरी तरह बदल गई। एक तरह से राहुल गांधी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनने से रोक दिया था। मंगलवार को राज्य विधानसभा में कैबिनेट मीटिंग के बाद मीडिया

से बात करते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि यह उनके लिए बहुत बड़ा झटका था। असल में 2011 के विधानसभा चुनावों के बाद असम कांग्रेस के अंदर तब असंतोष देखा गया था जब विधायकों के एक ग्रुप ने मौजूदा तरुण गोगोई के बजाय हिमंत बिस्व सरमा को मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन किया था। इस मामले में मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए हिमंत ने कहा कि उस समय उन्हें सोनिया गांधी का कॉल आया था, जिन्होंने मुझसे मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण की तारीख तय करने को कहा था। मैंने उनसे कहा कि मैं जून (2014) में कामाख्या मंदिर में अंबुबाची मेले के बाद शपथ लूंगा। हिमंता का दावा है कि राहुल गांधी के फोन करने के बाद हालात बदल गए। उस वक्त मुझे बहुत दु:ख हुआ था और फिर मैंने कांग्रेस पार्टी छोड़ने का फैसला किया।

कांग्रेस को सदन चलाने में नहीं कोई रुचि, छोटे दलों पर दबाव, राहुल गांधी पर भड़के रिजिजू

नई दिल्ली। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कहा कि संसद में स्थिति को सामान्य करने के लिए सरकार कांग्रेस को मनाने का कोई अतिरिक्त कदम नहीं उठाने जा रही है। उन्होंने सदन के सही संचालन के लिए कई प्रयास किए हैं, लेकिन सभी व्यर्थ रहे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद के सुचारू संचालन में रुचि नहीं रखते और कुछ एनजीओ ने उन्हें सिखाया है कि अच्छे दिन उनके पार्टी के लिए आएंगे, इसी कारण वह सदन को रोक रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को एक साक्षात्कार में कहा, राहुल गांधी सदन चलाने में रुचि नहीं रखते। वह मुद्दे बनाने में रुचि रखते हैं।

बारामती विमान हादसा

अजित पवार की मौत की सीबीआई जांच हो-सुनेत्रा

मुंबई। एजेंसी

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस से मुलाकात की। इस दौरान सुनेत्रा पवार समेत सभी एनसीपी के नेताओं ने 28 जनवरी को हुए बारामती विमान हादसे की सीबीआई जांच की मांग की। इस दुर्घटना में अजीत पवार की मौत हो गई थी। वरिष्ठ एनसीपी नेता सुनील तटकरे ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि राज्य

सरकार इस मामले में केंद्र के गृह मंत्रालय से संपर्क करेगी। बता दें कि सुनेत्रा पवार के साथ तटकरे, प्रफुल्ल पटेल, हसन मुश्रीफ और अजीत पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को सीबीआई जांच की मांग वाला पत्र भी सौंपा। एनसीपी नेता अजित पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती में हुए प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। इससे पहले एएआईबी ने कहा कि जानलेवा क्रैश में शामिल लियरजेट 45 प्लेन के कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से डेटा निकालने के लिए स्पेशल मदद मांगी गई है। इस दौरान तटकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने हमें भरोसा दिलाया है कि राज्य सरकार इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय से बात करेगी। सरकार ने पहले ही स्वतंत्र एजेंसियों से जांच शुरू कर दी है।

भारत और पाकिस्तान सहित पड़ोसी देशों के कई नेता उपस्थित थे

तारिक रहमान ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली

ढाका/ एजेंसी

तारिक रहमान ने मंगलवार को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और इसके साथ ही अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद देश की बागडोर संभालने वाली अंतरिम सरकार के 18 महीने के शासन का अंत हो गया। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रहमान (60) को परंपरा से हटते हुए, बंगभवन के बजाय जातीय संसद के 'साउथ प्लाजा' में पद की शपथ दिलाई। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान के पुत्र रहमान 17 वर्षों तक स्वनिर्वासन में लंदन में रहने के बाद दो महीने पहले स्वदेश लौटे थे। प्रधानमंत्री के पद पर उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। दिन में, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों ने रहमान को संसदीय दल का नेता चुना। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने एक समारोह में, मंत्रिमंडल के नये सदस्यों को भी शपथ दिलाई। कार्यक्रम में भारत और पाकिस्तान सहित पड़ोसी देशों के कई नेता उपस्थित थे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी बिरला के साथ थे। बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए 13वें संसदीय चुनावों में बीएनपी ने 297 में से 209 सीटें जीतीं, जबकि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी ने 68 सीटें हासिल कीं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया था। चुनाव

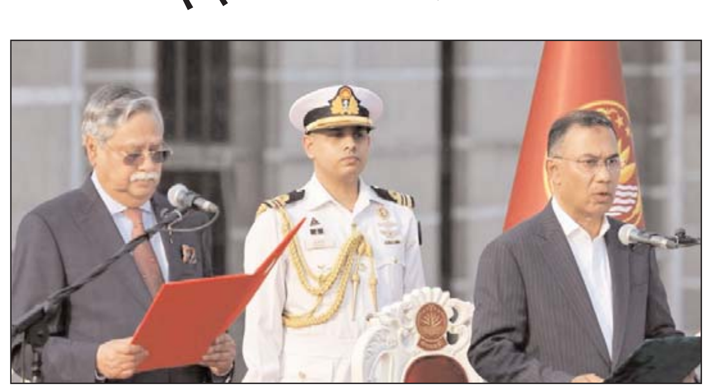

परिणाम बीएनपी के लिए एक बड़ा उलटफेर साबित हुआ। पार्टी अवामी लीग के 15 वर्षों के शासनकाल में निशाने पर रही थी। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के कारण अवामी लीग सरकार सत्ता से बेदखल हुई थी। इससे पहले 13वीं जातीय संसद (जेएस) के नवनिर्वाचित सांसदों ने संसद सदस्य के रूप में शपथ ली। रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस का स्थान लिया है, जिनके कार्यकाल में बांग्लादेश और भारत के संबंधों में काफी गिरावट आई। यूनुस ने अगस्त 2024 में अंतरिम सरकार की बागडोर संभाली थी। चुनाव के बाद एक प्रेस वार्ता में रहमान ने राष्ट्रीय हित में राष्ट्रीय एकता और शांति की अपील की तथा आगाह किया कि विभाजनकारी नीतियां लोकतंत्र को कमजोर करेंगी। उन्होंने कहा था कि देश एक नाजुक अर्थव्यवस्था, कमजोर संस्थाओं और बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति का सामना कर रहा है। रहमान ने कहा, हमारे रास्ते और विचार भले ही अलग-अलग हों, लेकिन देश के हित में हमें एकजुट रहना होगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि राष्ट्रीय एकता हमारी सामूहिक शक्ति है, जबकि विभाजन हमारी कमजोरी है। उन्होंने कहा कि नयी सरकार के समक्ष दो प्रमुख चुनौतियां हैं अर्थव्यवस्था को संभालना और सुशासन सुनिश्चित करना।

ओम बिरला ने नए पीएम तारिक रहमान से की मुलाकात: पीएम मोदी का पत्र सौंपा, भारत आने का दिया निमंत्रण

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को ढाका में नई बांग्लादेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बाद नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी। बिरला ने एक्स पर लिखा कि नई बांग्लादेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर खुशी हुई। भारत हमेशा बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। बता दें कि मुलाकात के दौरान, बिरला ने रहमान को पद ग्रहण की बधाई दी और उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी दिया। दोनों नेताओं ने भारत और बांग्लादेश के लोगों के भले के लिए मिलकर काम करने की आशा व्यक्त की।

अवैध रेत उत्खनन पर कलेक्टर ने राजस्व, पुलिस और माइनिंग की टीम बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए

निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश और लापरवाही नहीं करने की चेतावनी

मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन और जन प्रतिनिधियों के आवेदनों को संवेदनशीलता और गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश

रबी मौसम में सरसो, मूंगफली, आदि फसलों का समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए तहसीलदार एवं पटवारियों को 100 प्रतिशत गिरदावरी करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने समय सीमा का बैठक में जिले के प्रगतिरत कार्यों का समीक्षा किया। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदन, मांग, शिकायत के निराकरण स्थिति की जानकारी अधिकारियों से लेकरद्व शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने धरती आबा, आयुष्मान कार्ड, पीएम सूर्यघर, आभा आईडी, अपार आईडी, पीएम स्वनिधि, पीएम अन्नदाता आय संरक्षण अभियान, का समीक्षा किया। कलेक्टर ने सभी विभागों के सरकारी अधिकारी कर्मचारी को आई गॉट कर्मयोगी डॉट जीओवी इन में मार्च तक रजिस्ट्रेशन करने, जिले में चल रहे निर्माण कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए और चेतावनी दी कि किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।जिले के सभी रेत खदानों में अवैध रेत उतखन्न, परिवहन और भंडारण करने वालों के विरुद्ध खनिज, राजस्व और पुलिस के साथ टीम बनाकर कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर ने खनि आधिकारी को दिए। कलेक्टर ने रेत के लिए सभी सीईओ जनपद पंचायत को पीएम आवास हितग्राही और उसके ट्रेक्टर की सूची देने के निर्देश दिए ताकि पीएम आवास कार्य में संलग्न वाहनों की पहचान हो सके। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन और जन प्रतिनिधियों के आवेदनों को संवेदनशीलता और गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार रबी मौसम में दलहन, सरसो, मूंगफली, फसलों का समर्थन मूल्य पर खरीदी हो, इसके लिए तहसीलदार एवं पटवारियों को 100 प्रतिशत गिरदावरी करने के निर्देश दिए।प्रशासन गांव की ओर थीम पर रात्रिकालीन जन चौपाल का आयोजन आगामी दिनों में किया जाएगा। सरिया तहसील का यह सांकरा गांव चारों ओर से ओड़िशा के गांवों से घिरा है। उल्लेखनीय है कि रियासतकालीन समय में यह गांव सारंगढ़ रियासत को दान में मिला था।

फेयरवेल में खतरनाक स्टंट पड़ा भारी: पीएम श्री स्कूल के प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी

सारंगढ़ /मूक पत्रिका

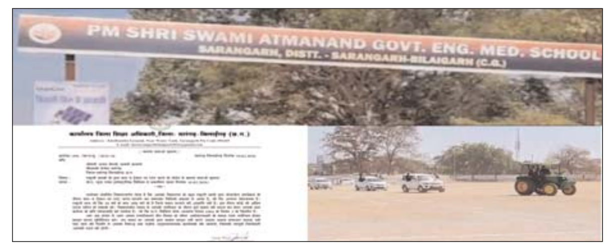

सारंगढ़ पीएम श्री के स्कूली बच्चों का कार व ट्रेक्टर से स्टण्ड करते विडिओ वायरल
सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

पीएम श्री स्कूल में आयोजित फेयरवेल कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा ट्रैक्टर और कार पर खतरनाक स्टंट किए जाने का मामला सामने आया था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया मे खूब वायरल हुआ और स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग पर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे, स्टंट वाला वीडियो के सामने आते ही पुरे क्षेत्र हड़कंप मच गया,और मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया (ष्ठश्वह्) सारंगढ़ ने तत्काल संज्ञान लिया है।बीते दिन सोमवार को पीएम श्री स्कूल मे फेयरवेल समारोह के दौरान कुछ छात्र ट्रैक्टर और कार पर चढ़कर जोखिम भरे स्टंट करते नजर आए थे, ट्रेक्टर और कार का काफिला लेकर खेलभाठा मैदान मे स्टंट किया गया उसके बाद मीडिया मे खबर चलते ही मामले मे विभाग के आलाधिकारियों ने संज्ञान में लिया,मामले की जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। नोटिस में पूछा गया है,कि स्कूलीन समय पर ये कैसे किया गया और 18 साल से कम उम्र के बच्चे गाड़िया चला रहे जो उचित नहीं और नियम मे भी नहीं है और अप्रिय घटना की आशंका जताते हुए जवाब मांगा है, ष्ठश्वह् ने स्पष्ट किया है, कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इस प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधितों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

वन विभाग रायगढ़ ने अवैध तस्करी का किया भंडाफोड़, भारी मात्रा में खैर लकड़ी बरामद

चांपा में गुप्त गोदाम पर छापा, पंजाब-हरियाणा तक फैला था तस्करी का नेटवर्क

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन के निर्देश पर रायगढ़ वन विभाग ने खैर लकड़ी की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। 16 फरवरी को मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के बाद रायगढ़ वन मंडलाधिकारी के मार्गदर्शन पर उप वनमण्डलाधिकारी और उड़नदस्ते की टीम ने दबिश दी, तस्करों में हड़कंप मच गया और वे लकड़ी से लदा ट्रक लेकर भागने लगे। वन विभाग की सतर्कता के चलते चंद्रपुर मार्ग पर घेराबंदी कर ट्रक क्रमांक सीजी-06 2022 को पकड़ लिया गया। गिरोह के सदस्यों की मदद से चालक एक बार फरार होने में सफल रहा, लेकिन बाद में छानबीन के दौरान उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में तस्करी के पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। आरोपी चालक और उसके साथी मेलाराम ने बताया कि गिरोह आसपास के जंगलों से खैर की बेशकीमती लकड़ी काटकर सहसपुरी में डंप करता था। इसके बाद लकड़ी को चांपा स्थित मनीष अग्रवाल के एक गुप्त गोदाम में भेजा जाता था। रात लगभग एक बजे रायगढ़ की टीम ने तस्करों का पीछा करते हुए चांपा के अकलतरा भांटा क्षेत्र में संयुक्त छापेमारी की। चांपा वन विभाग के सहयोग से की गई इस कार्रवाई में भारी मात्रा में खैर की लकड़ी बरामद की गई। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के तार अन्य राज्यों से जुड़े हुए हैं। रायगढ़ और चांपा को केंद्र बनाकर तस्कर लकड़ी को ऊंचे दामों पर पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में खपाते थे। इस पूरे ऑपरेशन में उप वनमण्डलाधिकारी श्री तन्मय कौशिक, वन परिक्षेत्राधिकारी श्री संजय लकड़ा और उड़नदस्ता प्रभारी श्री संदीप नामदेव की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि जिले में कहीं अवैध वन अपराध की घटना हो तो मोबा. नंबर 99263-21401 एवं टोल फ्री नंबर 1800-233-2631 पर संपर्क कर अवश्य जानकारी दें।

निकासी बैठक में अनियमितताओं पर सख्ती, 20 पंचायतों से वसूली

5 रोजगार सहायकों और एक तकनीकी सहायक पर अर्थदंड

बीजापुर/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत के सभाकक्ष में सामाजिक अंकेक्षण से जुड़ी अनियमितताओं पर कार्रवाई को लेकर निकासी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम जागेश्वर कौशल ने की। इसमें वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक महात्मा गांधी नरेगा और प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में हुए सामाजिक अंकेक्षण के दौरान सामने आए मामलों की सुनवाई कर निराकरण किया गया। बैठक में 26 पंचायतों के ऑडिट प्रकरणों की समीक्षा की गई। जांच के बाद करीब 20 पंचायतों से वसूली के निर्देश दिए गए, जबकि पांच पंचायतों के रोजगार सहायकों और एक तकनीकी सहायक पर अर्थदंड लगाया गया। वसूली की राशि एक ग्राम पंचायत में 623 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक तय की गई, वहीं प्रकरणों के अनुसार 200 से 1000 रुपए तक का जुर्माना लगाया गया।

जिन पंचायतों से वसूली की गई, उनमें नैमेड, तुमनार, पापनपाल, मिडते, चेरपाल, मुसालूर, दुगोली, बोरजे, धनोरा, कैका, ईटपाल, मनकेली, कांडुलनार, गंगालूर, कमकानार, चिन्नाकवाली, मोरमेड़, तोयनार, संतोषपुर और पेदाकोडेपाल शामिल हैं।

दो विभागों को चेतावनी जारी करने के निर्देश-सोशल ऑडिट टीम ने बताया कि चिन्नाकवाली ग्राम पंचायत में उद्यानिकी विभाग द्वारा कराए गए कार्यों में आपत्तियां दर्ज की गई, लेकिन निराकरण के लिए लगातार पत्राचार के बावजूद अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। इसी तरह कृषि विभाग पर भी ऑडिट प्रक्रिया में लापरवाही का आरोप लगा। इस पर एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी अभिलेख प्रस्तुत कर ऑडिट में सहयोग करने के निर्देश दिए। तय समय में कार्रवाई नहीं होने पर राशि वसूली की चेतावनी भी दी गई। बैठक में उपसंचालक पंचायत हिमांशु साहू, सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी, कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र गवेल सहित तकनीकी सहायक, सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर अधिकारियो को किया सम्मानित

एसआईआर, धान खरीदी, शिक्षा गुणवत्ता और आबकारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला सम्मान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला प्रशासन के कार्यों को बेहतर ढंग से काम करने वाले अधिकारियो को कलेक्ट्रेट में सम्मानित किया गया। इनमें निर्वाचन का मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और धान खरीदी कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश कुमार साहू, एसडीएम वर्षा बंसल, प्रफुल्ल रजक, तहसीलदार शनि पैकरा, आयुष तिवारी, नीलिमा अग्रवाल, कमलेश सिदार, कोमल साहू, प्रकाश पटेल, मोहन साहू सहित तीनों सीईओ जनपद पंचायत राधेश्याम नायक, अजय पटेल और प्रतीक प्रधानको प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य अंतर्गत स्कूलो में शिक्षा गुणवत्ता के लिए जिला शिक्षा अधिकारी जोइधाराम डहरिया, धान खरीदी के लिए सहकारिता आयुक्त व्यासनारायण साहू, एसआईआर, अवैध शराब पर रोकथाम और आबकारी कार्य के लिए आबकारी अधिकारी संतराम वर्मा को सम्मानित किया गया।

वनोपज पर 3 दिवसीय RAMP योजना प्रशिक्षण प्रारंभ

खरसिया, रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में काफरमार, खरसिया, रायगढ़ में वन्य उपज से जुड़े उद्यमियों के लिए 3 दिवसीय रैम्प योजना के अंतर्गत विशेष सेक्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छोटे एवं सूक्ष्म उद्यमियों को बाजार की समझ विकसित कर उनके उद्यमों का सफल संचालन सुनिश्चित करना है।उद्घाटन सत्र में वन्य उपज समिति के सदस्य, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के अधिकारी तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ वन संपदा से समृद्ध राज्य है और वन्य उपज ग्रामीण एवं आदिवासी समुदायों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। यदि सही प्रशिक्षण, तकनीक और विपणन का सहयोग मिले तो यह क्षेत्र स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है।तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को वन्य उपज के वैज्ञानिक संग्रहण, प्रसंस्करण, गुणवत्ता सुधार, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं मूल्य संवर्धन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही विशेषज्ञों द्वारा बाजार से जुड़ने के आधुनिक तरीकों, डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ग्राहक व्यवहार और मूल्य निर्धारण के बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।प्रशिक्षण के दौरान सरकारी योजनाओं, उद्यम पंजीयन, बैंक ऋण, वित्तीय प्रबंधन तथा व्यवसाय विस्तार की संभावनाओं पर भी चर्चा की जा रही है, ताकि प्रतिभागी अपने उद्यम को औपचारिक रूप देकर दीर्घकालिक रूप से आगे बढ़ा सकें। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें अपने उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ बाजार तक पहुंचाने और नए अवसरों का लाभ उठाने की प्रेरणा मिलेगी। इस पहल से क्षेत्र में वन्य उपज आधारित उद्यमों को नई दिशा मिलने और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद जताई गई।

फल-फूल रहा ऑन लाइन सट्टे का अवैध कारोबार, पुलिस की पकड़ से दूर खाईवाल

बरमकेला/मूक पत्रिका

सारंगढ़- बिलाईगढ़ के बरमकेला मे सट्टोरिए सक्रिय, नही पहुच पा रही पुलिस जिले मे ऑन लाईन सट्टा, का कारोबारी दिन-दुगनी रात चैगुनी कर रहे है।आप को बात दे की बरमकेला सट्टा का गढ़ बन गया है लेकिन वर्तमान मे सट्टोरिए हाई टेक हो गए है, अलग अलग एप्प के माध्यम से सट्टे के कार्य को संचालित कर रहे है, जिला पुलिस सट्टे पर खाना पुर्ति कार्यवाही के लिए सट्टा पट्टी ,डाट पेन, व कुछ नगदी रूपऐ के साथ कभी कभी छोटे सटोरियो को जेल भेज देती है।जब बात ऑन लाईन बडे सट्टोरिए, खाईवालो की होती है तो न पुलिस के आदेश निर्देश का पलान होते नजर आता है न ही मुखबीर की मुखबीरी। बरमकेला मे आन लाईन सट्टा खेलने व खिलाने वाली एप्प आई डी खाईवालो से बच्चे, जवान, दस-दस हजार रूपए मे खिरीद कर सट्टे के कारोबार मे कुछ फल फुल रहे है तो नबालिक इस दलदल व्यापार मे बर्बाद हो रहे है। जानकारों की मानें तो सट्टा व्यापार के लालच में फंसकर कई लोग अपनी किस्मत आजमाते है। बाद में इसमें फंसकर अपना सबकुछ भी गवां बैठते है।सूत्रों के मुताबिक फोन पर अपना नंबर बताते लिखवाते हैं और नंबर आने पर इन्हीं सट्टा खाईवाल एजेंटों के माध्यम से पैसे का लेन-देन किया जाता है। पुलिस इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों पर कभी-कभार कार्रवाई भी खानापूर्ति के लिए करती है, लेकिन अभी तक इस गोरखधंधे पर पूरी तरह अंकुश नही लगा पाई है। जिसके चलते अवैध कारोबार में लिप्त गिरोह के लोगो के हौंसले बुलंद हैं।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कुपोषित बच्चों और एनीमिक महिलाओ पर फोकस कर सुपोषित करने के निर्देश दिए

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने की महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

गर्भवती और शिशुवती माता सहित 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण और घर पहुंच राशन शत प्रतिशत वितरित करने के निर्देश, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत हो और उन्हें गर्म भोजन के साथ बुनियादी शिक्षा देने के निर्देश,अति जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को नहीं बैठाने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों, बच्चों की संख्या, जर्जर भवन, निर्माणाधीन भवन, पूर्ण भवन, टीकाकरण, पोषक आहार वितरण आदि का परियोजना और सेक्टर अधिकारियों से चर्चा कर समीक्षा किया। कलेक्टर ने कहा कि जर्जर भवनों में बच्चों को नहीं बैठाएं। नवीन भवन निर्माण हो चुका है तो बच्चों को वहां बैठाएं। नए भवन के लिए प्रस्ताव भेजें और जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के लिए भी पत्राचार करें ताकि सभी व्यवस्थित रहे। पालकों के साथ गृह भेंट और महिलाओं के साथ चौपाल कर बच्चों के देखरेख, सावधानी आदि के बारे में माताओं को सिखाएं। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे कुपोषित और मध्यम बच्चे हैं उन्हें एनआरसी केंद्र के माध्यम से सुपोषित करने के लिए पालक को प्रोत्साहित करने सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को निर्देशित करें ताकि कोई भी बच्चा कुपोषित नहीं रहे। इसी प्रकार बच्चों को जन्मजात या अन्य गंभीर बीमारी ग्रस्त है तो उन्हें चिरायु टीम को जांच करने के लिए अपने उच्च अधिकारियों को जानकारी देने के लिए निर्देशित करें। उन्होंने अधिकारियों और सुपरवाइजरों को महतारी वंदन योजना के नये पंजीयन नहीं हो रहा है इसकी जानकारी अपने क्षेत्र के महिलाओं को दें। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी अधिकारी और स्टॉफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपके आंगनबाड़ी का निर्माण कहाँ हो रहा है, उनके निर्माण का अच्छी गुणवत्ता से हो रहा या नहीं, यह ध्यान दें और अच्छे क्वालिटी से निर्माण नहीं हो रहा तो उसकी जानकारी उच्च अधिकारियो को दें। सभी नागरिकों के बीमारी और इलाज का रिकार्ड के लिए आभा आईडी बनाने और बच्चों के पढ़ाई का रिकार्ड रखने के लिए अपार आईडी बनाये। कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती और शिशुवती माता सहित 6 माह से 3 वर्ष के बच्चों का टीकाकरण और घर पहुंच राशन शत प्रतिशत वितरित करें। उन्होंने आंगनबाड़ी समय पर खुले और सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने परियोजना अधिकारी और सुपरवाइजर को निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना अंतर्गत गर्भवती माताओं को लाभान्वित करें और कोई भी गर्भवती माता नहीं छूटनी चाहिए। शत प्रतिशत पोषण आहार का वितरण और पोषण ट्रैकर में इसे दर्ज होना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सेक्टर पर्यवेक्षकों द्वारा गर्भवती, शिशुवती और बच्चों के गृह भेंट के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पोषण परामर्श सुनिश्चित करना है, उन्हें जानकारी देना है कि कौन कौन से सब्जी भाजी, फल मूल में कौन से विटामिन होता है, जिसके सेवन से शरीर मजबूत होता है। कलेक्टर ने कहा कि सेक्टर पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण होना चाहिए और आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को गिनती, अक्षर ज्ञान, नाम, पता, बोलने में झिझक को दूर करने के लिए स्कूल जाने के पहले बुनियादी शिक्षा देना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर ऋचा सिंह,जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी उत्तम प्रसाद सहित सारंगढ़, बरमकेला, भटगांव, बिलाईगढ़ सरसीवा, लेंधरा, कोसीर, सरिया के परियोजना अधिकारी, सेक्टर अधिकारी, सुपरवाइजर आदि उपस्थित थे।

डीईओ से मिलकर समस्याओं से अवगत कराया समन्वयक संघ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छ.ग.संकुल शैक्षिक समन्वयक संघ जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अध्यक्ष भागवत प्रसाद साहू के अगुवाई में श्री जे.आर.डहरिया डीईओ सारंगढ़ बिलाईगढ़ से मिलकर संकुल समन्वयकों एवं शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं

से अवगत कराया।शाला अनुदान,सीआरसी ग्रांड की राशि,शिक्षकों का लंबित परीक्षा अनुमति, सर्विस बुक में अर्जित अवकाश को इंद्राज करने एवं सारंगढ़ ब्लॉक में अवकाश लिए शिक्षकों के रोके गए वेतन को त्वरित जारी करने आदि समस्याओं से अवगत कराया गया।जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे आर डहरिया ने तत्काल समाधान करने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर जिला सचिव डाबर सिंह साहू, जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार देवांगन, भगवान प्रसाद दुबे,चोखलाल पटेल,नरसिंह श्रीवास, टेकलाल सोनी, पुरंदर पटेल,सुकलाल मीरी ,जीवित नायक आदि उपस्थित रहे।

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक की संयुक्त बैठक, दुर्घटना नियंत्रण हेतु व्यापक रणनीति तैयार

सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सख्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित व सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वित कार्ययोजना तैयार की गई।बैठक का मुख्य फोकस सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और अनुशासित बनाना रहा। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सड़क सुरक्षा को अभियान के रूप में संचालित किया जाए, जिसमें प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी सुनिश्चित हो।

जन जागरूकता, सख्त प्रवर्तन और आधारभूत सुधार पर जोर-'ब्लैक स्पॉट' सुधार, विशेष चेकिंग अभियान और संस्थागत भागीदारी के निर्देश 7 बैठक में दोपहिया वाहन चालकों द्वारा अनिवार्य रूप से हेलमेट उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सभी विभागों को अपने कार्यालयों में यातायात नियमों से संबंधित संदेश प्रदर्शित करने तथा कर्मचारियों को नियमों के पालन के लिए प्रेरित करने कहा गया। अधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश दें।

दुर्घटना संभावित स्थलों का चिन्हांकन-जिले में चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थानों (ब्लैक स्पॉट्स) का पुनर्मूल्यांकन कर वहां आवश्यक सुधार कार्य जैसे चेतावनी संकेतक, स्पीड ब्रेकर, रंबल स्ट्रिप्स और रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए गए। अंधेरे मोड़ों एवं व्यस्त मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने पर भी बल दिया गया 7 हेलमेट व सीट बेल्ट जांच अभियान को और प्रभावी बनाने, ओवरस्पीडिंग पर कड़ी कार्रवाई करने तथा जुर्माने की प्रक्रिया को नियमित रखने के निर्देश दिए गए। 'ड्रंक एंड ड्राइव' के विरुद्ध रात्रिकालीन विशेष अभियान चलाने तथा स्कूलों-कॉलेजों के आसपास सघन निगरानी रखने को कहा गया, जिससे नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन पर रोक लगाई जा सके। सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण हटाने, क्षतिग्रस्त स्ट्रीट लाइट्स को दुरुस्त करने तथा मार्गों की चौड़ाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, आवारा पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु नगर निकायों को सक्रिय भूमिका निभाने को कहा गया।स्कूलों, कॉलेजों तथा परिवहन क्षेत्र से जुड़े चालकों के लिए सड़क सुरक्षा कार्यशालाएं आयोजित करने की रूपरेखा भी तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि सड़क सुरक्षा को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके। बैठक में स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन ने इस दिशा में निरंतर निगरानी एवं नियमित समीक्षा की प्रतिबद्धता दोहराई।

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 : तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सुनवाई कार्य समय-सीमा में पूर्ण

2,46,763 मतदाताओं को जारी नोटिस पर सुनवाई व सत्यापन प्रक्रिया पूरी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत जिले के 03 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ङ्क 68 साजा, 69 बेमेतरा एवं 70 नवागढ़ (अ.जा.) में नो मैपिंग एवं लॉजिकल एरर श्रेणी में चिन्हित कुल 2,46,763 मतदाताओं की सुनवाई का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर लिया गया है। प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी की जा रही है। प्रारंभिक प्रकाशन के आंकड़े व तार्किक विसंगतियों पर कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप सार्वजनिक प्रकाशन एवं सुनवाई, 23 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित प्रारंभिक मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 7,16,635 मतदाता दर्ज थे। इनमें– विधानसभा 68 साजा ङ्क 2,34,247 मतदाता, विधानसभा 69 बेमेतरा ङ्क 2,28,021 मतदाता, विधानसभा 70 नवागढ़ (अ.जा.) ङ्क 2,54,367 मतदाता, प्रारंभिक सूची में 12,339 मतदाता 'नो मैपिंग' श्रेणी में पाए गए, जिन्हें नोटिस जारी कर सुनवाई की गई। इसके अतिरिक्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सॉफ्टवेयर आधारित 07 बिंदुओं पर तार्किक त्रुटियों (लॉजिक एरर) वाले मतदाताओं की पहचान की गई। इन सभी को विधिवत नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु अवसर प्रदान किया गया। सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश के अनुपालन में तार्किक विसंगतियों से संबंधित मतदाताओं की सूची को स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायत कार्यालयों तथा ईआरओ एवं एईआरओ कार्यालयों में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। संबंधित व्यक्तियों को 10 दिवस के भीतर व्यक्तिगत अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से दस्तावेज अथवा आपत्तियां प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए के साथ भी यह सूची साझा की गई तथा सुनवाई प्रक्रिया में उनका सहयोग प्राप्त किया गया। दावा-आपत्तियों का निराकरण पूर्ण, 21 फरवरी को अंतिम प्रकाशनभारत निर्वाचन आयोग द्वारा दावा-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 14 फरवरी 2026 निर्धारित की गई थी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में यह कार्य दो दिन पूर्व ही पूर्ण कर लिया गया। विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदान केन्द्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिले के 03 ईआरओ, 13 एईआरओ तथा 54 अतिरिक्त एईआरओ के माध्यम से पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ संपादित की गई।

कलेक्टर एसपी की दो टूकः नशीली दवाओं का कारोबार युवा पीढ़ी के लिए घातक, जिले को नशामुक्त बनाने बनेगी विशेष रणनीति

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई और पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को समन्वय के साथ ठोस रणनीति बनाकर नशीली दवाओं के अवैध व्यापार पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा कि नशापान एक सामाजिक अभिशाप है, जो समाज के ताने-बाने को भीतर से कमजोर कर देता है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रही है, जिससे पारिवारिक कलह, अपराध और सामाजिक अशांति जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों और समाज के नागरिकों से इस कुरीति को समाप्त करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने कहा कि नशापान समाज में अनेक बुराइयों को बढ़ावा देता है। इससे पारिवारिक और सामाजिक जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशे के अवैध कारोबार से जुड़े तस्करों और नेटवर्क के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी स्थिति में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

नशे के हॉटस्पॉट की होगी पहचान

बैठक में निर्देश दिए गए कि जिले के उन क्षेत्रों की पहचान की जाए, जहां नशीले पदार्थों की बिक्री या खपत अधिक है। इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष निगरानी, छापामार कार्रवाई और सतत अभियान चलाया जाएगा। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। शिक्षा विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

तस्करों पर सख्त कार्रवाई, पीड़ितों के उपचार की व्यवस्था

नशे के अवैध व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा उनके नेटवर्क को तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही, नशे की लत के शिकार व्यक्तियों को मुख्यधारा में वापस लाने हेतु नशामुक्ति केंद्रों के माध्यम से उपचार और परामर्श की समुचित व्यवस्था की जाएगी। बैठक में पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आबकारी विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। प्रशासनिक प्रयासों के साथ सामाजिक संगठनों की सहभागिता से नशामुक्ति अभियान को जनआंदोलन का रूप देने पर भी जोर दिया गया।प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिले को नशामुक्त बनाने के लिए यह अभियान सतत रूप से संचालित किया जाएगा और समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

समय-सीमा में काम पूरा करें, गुणवत्ता से समझौता नहींः कलेक्टर

साप्ताहिक बैठक में योजनाओं की समीक्षा, अधोसंरचना कार्य तेज करने और पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश

बीजापुर/मूक पत्रिका

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में कलेक्टर संबित मिश्रा ने जिले में चल रही योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर और बेहतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

अधोसंरचना कार्यों पर फोकस-बैठक में नियद नेल्लानार क्षेत्रों में जारी अधोसंरचना निर्माण की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कार्यों में तेजी लाई जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हों। सैचुरेशन शिविरों की उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई और निर्देश दिए गए कि योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचे।

दस्तावेज बनाने की प्रक्रिया आसान करने के निर्देश-कलेक्टर ने आधार पंजीयन में तेजी लाने पर जोर देते हुए जन्म प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, राशन कार्ड समेत जरूरी दस्तावेज लोगों को सरल प्रक्रिया से उपलब्ध कराने को कहा। खासतौर पर नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित व्यक्तियों को समय पर दस्तावेज देने के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, डीएफओ रमेश कुमार जांगड़े, सभी अनुभागों के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने साफ कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और विभाग नियमित समीक्षा कर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें।बैठक के जरिए प्रशासन ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि सक्रियता और समन्वय से जिले के विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

अवैध रेत उत्खनन मामले में पोकलेन मशीन जप्त

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

अवैध रेत उत्खनन मामले में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में राजस्व एवं खनिज विभाग के अमला द्वारा सारंगढ़ तहसील क्षेत्र में सोमवार को संयुक्त निरीक्षण कर ग्राम दहिदा के नदी तट पर स्थित पोकलेन मशीन (सीरियल नंबर एसपी 20-57914) को जप्ती

कर कार्यवाही की गई और कोटवार ग्राम दहिदा के निगरानी में रखा गया।

अल्पदृष्टि बाधित बच्चे अब पढ़ सकेंगे पुस्तक, किया गया चश्मा का वितरण

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर --उत्तर बस्तर कांकेर 17 फरवरी 2026 कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार एवं जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न शालाओं में अध्ययनरत 442 अल्पदृष्टि बाधित बच्चों को चश्मा वितरण किया गया। इन सभी बच्चों को समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विकासखण्ड स्तर पर कार्यरत बी.आर.पी. व स्पेशल एजुकेटर के सहयोग से आंकलन शिविर के माध्यम से बच्चों का आँखों का जांच कराकर बच्चों को चश्मा वितरण किया गया। अब ये दिव्यांग बच्चे भी आसानी से पुस्तक पढ़ व लिख सकेंगे तथा अपना दैनिक जीवन के क्रियाकलाप आसानी से कर सकेंगें। चश्मा वितरण हेतु बच्चों के चयन के लिए जिले के सभी

विकासखण्ड मुख्यालय में आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों का चिन्हांकन कर विशेषज्ञ डाक्टरों के द्वारा आंखो की जांच किया जाकर चश्मा का नम्बर लिया गया।

ऐसे बच्चे जिनके आंखों की जांच नहीं हो पाया, ऐसे अल्पदृष्टि बच्चों का जिला चिकित्सालय में जांच कराया गया तथा सभी पात्र बच्चों के लिए जिला प्रशासन व समग्र शिक्षा के माध्यम से चश्मा उपलब्ध कराया गया। चश्मा पाकर खुशी जाहिर करते हुए भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के कक्षा 10वीं में अध्ययनरत छात्रा कु. सोनिका भण्डारी ने बताया कि मुझे पुस्तक पढ़ने-लिखने में बहुत परेशानी होती थी, अब चश्मा मिलने पर मैं आसानी से पुस्तक पढ़ व आसानी से लिख सकती हूँ, अभी बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने में कोई परेशानी नहीं होगी। इसी तरह छात्रा कु. कंचन धुरव, कु. संगीता नरेटी, कु. शिखा चौहान और भूपेन्द्र कठेले ने बताया कि अब चश्मा मिलने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और अब आसानी से अपनी दैनिक जीवन का कार्य कर सकंगे, इन सभी बच्चों के पालक एवं अभिभावक ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अपनी मांगों को लेकर प्लेसमेंट कर्मचारियों ने सीएमओ से की मुलाकात, पालिका इतिहास में पहली बार होगी त्रिपक्षीय बैठक

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर -कांकेर नगर पालिका कांकेर के प्लेसमेंट कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) एवं पालिका अध्यक्ष से मुलाकात की। कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को विस्तार से अधिकारियों के समक्ष रखते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन, कांकेर इकाई के अध्यक्ष राकेश बिछिया एवं महासचिव दिलीप साहू ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि सीएमओ की उपस्थिति में नियोजक (ठेकेदार) और कर्मचारियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। उनका कहना है कि ठेकेदार या उसका प्रतिनिधि समय पर उपलब्ध नहीं रहता, जिससे कर्मचारियों की

समस्याएं लंबित रहती हैं और मनमानी की स्थिति बनी रहती है।

नेताओं ने बताया कि कर्मचारियों को वितरित किए गए कई ईएसआई कार्ड त्रुटिपूर्ण हैं, जिन्हें सात दिवस के भीतर सुधारने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तीन माह बीतने के बाद भी सुधार नहीं किया गया। वहीं वेतन भुगतान भी निर्धारित तिथि पर नहीं हो रहा है। 15 से 20 दिन की देरी से वेतन मिलने के कारण कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यूनियन की मांग पर सीएमओ ने ठेकेदार को कांकेर बुलाकर त्रिपक्षीय बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह बैठक नगर पालिका के इतिहास में पहली बार सीएमओ, ठेकेदार एवं कर्मचारी प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति में आयोजित की जाएगी, जिसे कर्मचारी एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मान रहे हैं। बैठक में प्रत्येक माह वेतन पर्ची वितरण, निर्धारित तिथि पर वेतन भुगतान तथा अन्य लंबित मांगों पर निर्णय लिया जाएगा।

साथ ही होली पर्व से पूर्व फरवरी माह का वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने पर भी सहमति बनी है। सफाई एवं बिजली विभाग के कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की मांग पर सीएमओ ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक सुरक्षा सामग्री वितरित करने के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल में भाव सिंह कश्यप, द्वारका कोसरिया, कामेंद्र गिरी, दिलीप साहू, राकेश बिछिया, अशोक नेताम, प्रशांत रजक, अरुण वाल्मीकि, राज रजक, रघुनाथ, महेंद्र कुमार, आकाश, ज्ञानेंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के दिए सख्त निर्देश, जनहित के मामलों में लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई कि अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। इस दौरान सभी एसडीएम एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे 7 बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि लंबित प्रकरणों के निराकरण में निर्धारित समयावधि का कड़ाई से पालन किया जाए तथा किसी भी प्रकार की खानापूर्ति न की जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों का निपटारा केवल औपचारिकता न हो, बल्कि प्रत्येक आवेदन का पारदर्शी, तथ्यात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकृत करें।

लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा-बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित आवेदनों, शिकायतों एवं पत्राचार की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने उन फाइलों और आवेदनों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए जो लंबे समय से लंबित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण न करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जनहित के कार्यों में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उत्तरदायित्व तय करने के निर्देश भी दिए गए।

जनसुनवाई आवेदनों पर विशेष फोकस-कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए पूछा कि आम नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गई है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का फीडबैक आवेदक तक पहुंचे तथा समाधान की जानकारी स्पष्ट रूप से दर्ज की जाए। जन शिकायतों के निराकरण में संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश-बैठक में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने विशेष रूप से निम्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जिसमे आयुष्मान कार्ड निर्माण, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन वितरण), जल जीवन मिशन, अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्य को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा जिले में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित की जाए।

विकास कार्यों की प्रगति पर जोर-जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए तथा समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता तीनों का संतुलन आवश्यक है।

पूर्व बैठक के निर्देशों की पुनरावृत्ति-बैठक के दौरान पूर्व में आयोजित समय-सीमा बैठकों में दिए गए निर्देशों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि पहले दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत की जाए तथा अधूरे बिंदुओं पर तत्काल कार्यवाही की जाए। उन्होंने दोहराया कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का समाधान है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट संदेश दिया कि जिला प्रशासन जनहित के मामलों में पूर्णतः प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्ध निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संत रविदास जयंती में शामिल हुए पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पथर्रा में आयोजित संत रविदास जयंती उत्सव में शामिल हुए इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष

छपरा ने कहा कि संत रविदास भारत के मध्य काल के एक महान संत थे जिन्होंने शिक्षा पर आधारित पंथ की स्थापना की हमें जात-पात की बेडियो से बाहर निकाला तथा आत्म ज्ञान का मार्ग दिखाया सिख समाज के गुरु ग्रंथ साहिब में भी इनके 41 पद है जो इनके 16 रागों में संकलित है संत रविदास ने हमें छुआछूत तथा पाखंडों से दूर रहना सिखाया है आज के परिवेश में जहां समाज में कटुता बढ़ रही है ऐसे में संत रविदास जी के दिखाएं मार्ग पर चलकर ही हम आपस में भाईचारा एवं सौहार्द स्थापित कर सकते हैं इस अवसर पर बसंत जोशी ध्रुव मिर्झा विजय मेहरा खेमराज बाकरे प्रकाश महोबिया श्रीमती गायत्री हिरऊ जोगी गणेश सिवारे दिनेश जोशी निलेश ठाकुर भावसिंग राज अमित वर्मा राजेंद्र वर्मा धनेश लहरे भगेला राम जोशी राजू जोशी संतु लहरे शिव कुमार लहरे प्रवीण कलियारे उमेश रावते सीमा जोशी,सावित्री जोशी,पियारी बाई लहरे,निर्मला कलियारे,सरस्वती जोशी,नारायणी कलियारे,रूपेश कलियारे,मनोहर लहरे,दिलीप लहरे,,डॉ आर एल जोशी, कौशिल्याँ जोशी, राधे मिरझा,बिन्दा बाई लहरे राजू जोशी सरस्वती रावटे सहित सामाजिक बंधुगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

लोकतंत्र में भरोसा बनाए रखना राज्य की जिम्मेदारी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। यह बात भी अहम है कि आयोग की इस कवायद में किसी राज्य सरकार का सीधे तौर पर दबाव या दखल देना उचित नहीं हो सकता।लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता बनाए रखने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी है। इसी मकसद से देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई है। मगर इसमें कई तरह की बाधाएं भी उत्पन्न हो रही हैं। कभी बड़ी संख्या में नागरिकों को मसविदा सूची से बाहर करने को लेकर सवाल उठ रहे हैं, तो कभी सियासी दलों की ओर से इस प्रक्रिया में नियमों के विपरीत दखल देने के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी है कि नई मतदाता सूची तैयार करने में पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरती जाए, ताकि सभी पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रह सके और अपात्र या मृतकों के नाम सूची से हटाने का कार्य बिना किसी विवाद या बाधा के पूरा हो सके। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल से जुड़े ऐसे ही एक मामले में सोमवार को सभी राज्यों को स्पष्ट कर दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और विभिन्न आशंकाओं का निराकरण करने के निर्देश भी जारी किए हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल न करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। आयोग का तर्क था कि आधार को नागरिकता का पहचान पत्र नहीं माना जा सकता, मगर बाद में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया। अब पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया पर आए दिन नए-नए सवाल उठ रहे हैं। पिछले दिनों चुनाव आयोग ने खुद राज्य में मसविदा सूची में छूट गए मतदाताओं की सुनवाई की प्रक्रिया रोकने का निर्देश दिया था। आयोग ने माना था कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्या की वजह से कई लोगों के नाम मसविदा सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं और ऐसे लोगों के लिए फिलहाल व्यक्तिगत सुनवाई की जरूरत नहीं है। मगर यह बात भी उतनी ही अहम है कि आयोग की इस कवायद में किसी राज्य सरकार का सीधे तौर पर दबाव या दखल देना उचित नहीं हो सकता। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल तरीके से पूरा करने की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की नहीं है।

भारत की गिनती विश्व की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में की जाती है। विकास की यह यात्रा सड़कों, इमारतों, डिजिटल सुविधाओं, वैश्विक निवेश और सकल घरेलू उत्पाद जैसे मानकों के आंकड़ों से मापी जाती है। मगर इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक ऐसा प्रश्न लगातार अनुत्तरित है, जिसे अनदेखा करना अब संभव नहीं। यह सवाल है—क्या देश की महिलाएं इस विकास यात्रा में समान रूप से सहभागी हैं? यदि नहीं, तो क्यों? यह मसला केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय प्रगति की नींव से जुड़ा है। यह सच है कि हाल के वर्षों में महिलाओं की शिक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्राओं की संख्या कई स्थानों पर छात्रों से अधिक है। परीक्षा परिणामों में भी वे अव्वल रहती हैं। यह एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है, जो दशकों के प्रयासों का नतीजा है। इसके बावजूद जब शिक्षा से रोजगार की ओर बढ़ने का समय आता है, तो कार्यबल में महिलाओं की उपस्थिति बहुत कम नजर आती है। यह विरोधाभास भारतीय समाज की गहरी संरचनात्मक समस्याओं को उजागर करता है।

तेज विकास, धीमी भागीदारी, डिग्री के बाद भी भारतीय महिलाएं कार्यबल से बाहर क्यों?

(सुनिधि मिश्रा)

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर लगभग तैंतीस फीसद के आसपास है, जबकि पुरुषों की भागीदारी दर पचपन फीसद से अधिक है। यह अंतर केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना और अवसरों की असमानता का द्योतक है।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में स्थिति और चिंताजनक हो जाती है। अनेक विकासशील देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी भारत से कहीं अधिक है। ग्रामीण भारत में महिलाओं की श्रम भागीदारी अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देती है, पर उसका स्वरूप चिंताजनक है। अधिकांश महिलाएं कृषि, घरेलू उत्पादन या पारिवारिक श्रम में संलग्न हैं, जहां उन्हें न तो नियमित वेतन मिलता है और न ही सामाजिक सुरक्षा।

उनका श्रम आधिकारिक आंकड़ों में दर्ज तो हो जाता है, मगर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भरता और सामाजिक सम्मान उन्हें प्राप्त नहीं होता। शहरी क्षेत्रों में महिलाएं शिक्षित और कुशल हैं, मगर सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थिर रोजगार तक उनकी पहुंच सीमित है। इसके परिणामस्वरूप वे या तो अल्प वेतन पर काम करती हैं या फिर कार्यबल से पूरी तरह बाहर हो जाती हैं।

महिला सशक्तीकरण के बिना राष्ट्र की समृद्धि संभव नहीं: महिलाओं की कार्यबल से दूरी सामाजिक अपेक्षाओं, पारिवारिक जिम्मेदारियों और मानसिक दबाव से भी गहराई से जुड़ी है। आज भी अधिकांश परिवारों में यह अपेक्षा बनी हुई है कि घर, बच्चे और बुजुर्गों की देखभाल का दायित्व मुख्यतः महिलाओं का ही है। जब काम और घर के बीच संतुलन बनाने की बात आती है, तो सबसे पहले महिला को ही करिअर का त्याग करना पड़ता है।

यह त्याग स्वैच्छिक कम और परिस्थितिजन्य अधिक होता है। समाज में गहराई से बैठी यह धारणा कि महिलाओं की प्राथमिकता घर है और कार्य केवल एक विकल्प, उनकी आर्थिक स्वतंत्रता में सबसे बड़ी बाधा है।

एक अन्य गंभीर समस्या है 'वेतन असमानता'। विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में समान कार्य के लिए महिलाओं को पुरुषों की तुलना में औसतन बीस-पच्चीस फीसद कम वेतन प्राप्त होता है। यह अंतर महिलाओं के आत्मविश्वास, कार्य-संतोष और दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा को गहराई से प्रभावित करता है। यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह है, क्योंकि इससे महिलाओं की क्रय शक्ति और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है।

सरकार की ओर से महिला केंद्रित अनेक कानून और

योजनाएं बनाई गई हैं। इनमें कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संरक्षण, मातृत्व लाभ, समान वेतन का अधिकार और महिला-केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम भी शामिल है। मगर समस्या कानूनों की अनुपस्थिति की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। अनेक महिलाएं आज भी अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं, और जो जागरूक हैं, वे सामाजिक दबाव या नौकरी छूटने के भय से आवाज उठाने से परहेज करती हैं। कार्यस्थलों पर शिकायत निवारण तंत्र या तो मौजूद नहीं होते या फिर इतने कमजोर होते हैं कि महिलाएं उन पर भरोसा नहीं कर पातीं। पिछले वर्ष प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत में कार्यरत महिलाओं का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में है, जहां न तो कार्य समय निश्चित है और न ही भविष्य की कोई सुरक्षा। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब महिलाएं गर्भावस्था, प्रसव या पारिवारिक कारणों से कार्य से विराम लेती हैं। पुनः कार्यबल में लौटना उनके लिए कठिन हो जाता है, क्योंकि नियोक्ता अनुभव में आए इस अंतर को नकारात्मक रूप से देखते हैं। हालांकि कुछ सकारात्मक उदाहरण भी सामने आए हैं।

कुछ राज्यों में महिलाओं के लिए विशेष रोजगार योजनाएं, स्वयं सहायता समूह और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। वर्ष 2025 में तमिलनाडु समेत कुछ राज्यों में महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। केरल और महाराष्ट्र में भी महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष वित्तीय सहायता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यह दर्शाता है कि यदि नीति, इच्छाशक्ति और सामाजिक सहयोग एक साथ आएं, तो परिवर्तन संभव है। हालांकि इन प्रयासों का प्रभाव तब तक सीमित रहेगा, जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं होगा। महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में बराबर की हिस्सेदारी से जुड़ा मसला भी है। विभिन्न अध्ययनों में यह बात उभर कर सामने आई है कि यदि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के समान स्तर तक पहुंच जाए, तो देश की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के आकलन के अनुसार, भारत अपनी जीडीपी में बीस-तीस फीसद तक की वृद्धि दर्ज कर सकता है, यदि लैंगिक अंतर को समाप्त कर दिया जाए। आज के दौर में यह जरूरी है कि कार्यस्थलों को अधिक समावेशी बनाया जाए, जहां लचीले कार्य समय, सुरक्षित परिवहन, बाल देखभाल सुविधाएं और समान वेतन सुनिश्चित हों। साथ ही परिवार और समाज को भी यह स्वीकार करना होगा कि महिला का कार्य करना कोई विकल्प नहीं, बल्कि उसका अधिकार है। पुरुषों को भी घरेलू जिम्मेदारियों में समान भागीदारी निभानी होगी। जब तक यह समझ विकसित नहीं होगी, तब तक कानून कागजों में और अवसर आंकड़ों में ही सिमटे रहेंगे। कंपनियों को केवल विविधता के आंकड़े प्रस्तुत करने से आगे बढ़कर वास्तविक समावेशन की संस्कृति विकसित करनी होगी। महिलाओं के लिए कौशल कार्यक्रम, नेतृत्व विकास प्रशिक्षण और करिअर पुनः प्रवेश कार्यक्रम आवश्यक हैं। साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सख्त नीतियां और उनका पालन अनिवार्य है। सवाल यही है कि क्या हम महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी मानते रहेंगे, या उन्हें विकास का सक्रिय सहभागी बनाएंगे? जब तक महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी सम्मान, सुरक्षा और समानता के साथ सुनिश्चित नहीं होती, तब तक यह कहना कठिन है कि भारत का विकास वास्तव में समावेशी है। कानून मौजूद हैं, वादे और घोषणाएं भी हैं, पर अब समय की मांग है कि अवसर भी उतने ही स्पष्ट, सुलभ और समान हों। यह परिवर्तन केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में आमूलचूल बदलाव से ही संभव है।

सरकारी संरक्षण से 'फूड बास्केट' बनकर उभरता उप्र

(धर्मेंद्र मलिक)

उत्तर प्रदेश आज खेती-किसानी के माध्यम से देश में नए आयाम स्थापित कर रहा है। गेहूं, गन्ना, दूध और आंवला उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ धान, केला, आम, अमरूद और मेंथा जैसे उत्पादों में भी प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक योगदान है। यह परिवर्तन केवल भौगोलिक अनुकूलताओं का परिणाम नहीं, बल्कि पिछले वर्षों में लागू की गई ठोस नीतियों, प्रशासनिक सुधारों और वित्तीय अनुशासन का परिणाम है। वर्ष 2016-17 में जहां कृषि विकास दर 8.6 प्रतिशत थी, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 17.7 प्रतिशत तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। देश की मात्र 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि के साथ उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत से अधिक योगदान दे रहा है। यह स्वयं में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। हाल में प्रस्तुत 9,12,696 करोड़ रुपये के बजट में लगभग 10,888 करोड़ रुपये कृषि एवं पशुपालन के लिए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि बिना नए कर आरोपण के राजस्व-संग्रह में वृद्धि और व्यर्थ अपव्यय की रोकथाम के माध्यम से संसाधन जुटाने का प्रयास किया गया है। यह दृष्टिकोण विकास को जन-भार नहीं, बल्कि जन-सहभागिता के रूप में स्थापित करता है। 2017 में सत्ता संभालते ही सरकार ने लघु एवं सीमांत किसानों के 36,000 करोड़ रुपये के ऋण माफ किए, जिससे लाखों किसान राहत की सांस ले सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा है। लगभग 3.12 करोड़ किसानों को डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभ पहुँचा है।

सिंचाई, ऊर्जा और भुगतान: बाणसागर, सरयू नहर, मध्य गंगा नहर और अर्जुन सहायक जैसी परियोजनाओं के पूर्ण होने से लाखों हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचित हुई। निजी नलकूपों के लिए मुफ्त बिजली ने लागत कम की। पिछले नौ वर्षों में गन्ना किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया, जिससे भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता और समयबद्धता आई। एथेनॉल उत्पादन में अग्रणी बनने से चीनी मिलों की स्थिति सुधरी और किसानों के भुगतान चक्र में स्थिरता आई।

कृषि को केवल उत्पादन-केंद्रित गतिविधि मानना अब पर्याप्त नहीं है। मूल्य-संवर्धन, भंडारण, प्रसंस्करण, निर्यात और ऊर्जा-दक्षता से जुड़कर ही किसान की आय में स्थायित्व आ सकता है। जब धान चावल बने, गेहूँ आटा बने, फल जूस या प्रसंस्कृत उत्पाद बनें-तभी लाभ-श्रृंखला का बड़ा हिस्सा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में ठहरता है। 2,832 करोड़ रुपये का बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण पर निवेश इसी सोच का प्रतीक है।

डिजिटल और तकनीकी कृषि

डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से त्वरित ऋण स्वीकृति, ड्रोन द्वारा कीटनाशक छिड़काव, एआई आधारित फसल निगरानी, सीड पार्क और विश्वस्तरीय हैचरी-ये सभी संकेत हैं कि उत्तर प्रदेश पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर तकनीक-सक्षम कृषि मॉडल की ओर अग्रसर है। लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें कृषि की केंद्रीय भूमिका है। यदि उत्पादन, मूल्य-संवर्धन और निर्यात-उन्मुख संरचना का यह मॉडल स्थिरता और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ता है, तो उत्तर प्रदेश न केवल देश की खाद्य सुरक्षा का आधार बनेगा, बल्कि वैश्विक खाद्य-शृंखला में भी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकता है। उत्तर प्रदेश अब केवल अपनी आवश्यकता पूरी करने वाला राज्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खाद्य-सुरक्षा विमर्श का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता दिखाई दे रहा है।

लेखकः राष्ट्रीय प्रवक्ता, भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक)ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

दुनिया में गहरा रहा जल संकट, यूएन रिपोर्ट की डरावनी चेतावनी ने बढ़ाई टेंशन

बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है।

(अमर पाल सिंह)

इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।

जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है।

समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।

मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।

अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए।

हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट

रहा है। हम भू-गर्भ से जितना पानी निकाल रहे हैं, उतना पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं। यानी जल खाता खाली हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है।

धीरे-धीरे यह स्थिति एक ऐसी सीमा पर पहुंच जाती है, जहां से लौटना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह बात भी सच है कि इस संकट का असर सब पर बराबर नहीं पड़ता। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड़ना स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं।

भारत के संदर्भ में देखें, तो संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी और भी गहरी चिंता पैदा करने वाली है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हमारे देश में है, पर उसके हिस्से में उपलब्ध मीठा पानी सीमित है। इसके बावजूद भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जो सबसे ज्यादा भूजल दोहन कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कुएं सूख रहे हैं, हैंडपंप में पानी नहीं आ रहा और हर साल गहरे नलकूप खोदे जा रहे हैं। हमारी नदियों की हालत भी सबके सामने है। कई नदियां मृत कही जाने लगी हैं, तो कई अब वर्षाकाल तक सीमित हो गई हैं। शहरों में तालाब और झीलें या तो पाट दी गई हैं या गंदे पानी का भंडार बन चुकी हैं। वर्षा जल व्यर्थ बह जाता है, उसे सहेजने के उपाय नहीं हो रहे। तमाम मुश्किलों के बावजूद यह तय है कि हमारे यहां पानी मौजूद है, मगर हम उसका प्रबंधन नहीं कर पा रहे हैं। जाहिर है, भारत में भी जल संकट प्राकृतिक से अधिक नीतिगत है। ऐसे उद्योगों की स्थापना पर चिंता व्यक्त की जा रही है, जिनमें जल खपत अत्यधिक होती है। खेती में ज्यादा सिंचाई की जरूरत वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाना भी एक बड़ा कारण है। सस्ती या मुफ्त बिजली देने के निर्णयों ने भूजल दोहन को और बढ़ा दिया है। औद्योगिक और शहरी प्रदूषण ने उपलब्ध जल को अनुपयोगी बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अगर हम जल संकट से पार पाना चाहते हैं, तो हमें सबसे पहले मानना होगा कि पानी असीमित नहीं है। भूजल को निजी संपत्ति मानने की सोच में बदलाव लाना होगा। भूगर्भ में मौजूद पानी सामूहिक धरोहर है और उसकी रक्षा करना भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल संकट और खेती के बीच गहरा संबंध है। हमें खेती में फसलों के चयन को पानी की उपलब्धता से जोड़ना होगा। शहरों और गांवों में जल की बचत को औपचारिकता भर से ऊपर उठकर और जरूरत बनाकर काम करना होगा। गंदे पानी को बहाने की जगह उसे साफ करके पुनः उपयोग में लाने के काम को बढ़ावा देना होगा। मगर बड़ा सवाल यह है कि यह सब करेगा कौन? केवल सरकारों पर जिम्मेदारी डाल कर इस संकट से नहीं उबरा जा सकता। इसके लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे, क्योंकि जल है तो कल है।

धरमजयगढ़ में चोरी का साया गहराया,बीती रात कई घरों के टूटे ताले, चोर अब भी पुलिस पकड़ से बाहर; डॉग स्क्वाड मौके पर जांच में जुटी

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

नगर में बढ़ती चोरी की वारदातों ने आमजन की नींद उड़ा दी है। हर बीतती रात के साथ असुरक्षा का भय गहराता जा रहा है और जनआक्रोश भी दिन-ब-दिन तेज़ होता दिख रहा है। वहीं बीती रात नीचे पारा और कोदवारी पारा क्षेत्र में एक साथ चार स्थानों पर ताले टूटने की सूचनाएँ सामने आई हैं, जिसने शहरवासियों की चिंता को और बढ़ा दिया है। बता दें मिली जानकारी के अनुसार, धरमजयगढ नीचे पारा निवासी नरेश अग्रवाल कई दिनों से बाहर थे। लौटने पर उनके घर का ताला टूटा मिला। उसी मोहल्ले में दो अन्य घरों के ताले भी तोड़े जाने की बात सामने आई है। चोरों ने घरों में घुसकर अलमारियों में रखे सामान के साथ-साथ बर्तन और अन्य घरेलू सामग्री पर भी हाथ साफ किया।इसी क्रम में कोदवारी पारा निवासी कन्हैया विश्वकर्मा के घर का मुख्य दरवाज़ा भी टूटा हुआ पाया गया। परिवार कुछ दिनों के लिए विवाह समारोह में बिहार गया हुआ था। लौटने पर घर के भीतर रखी अलमारी से सामान और नगद राशि के गायब होने की जानकारी मिली। पीड़ित द्वारा थाने में लिखित सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस ने डॉग स्क्वाड को मौके पर बुलाकर जांच शुरू कर दी है।

न थमता सिलसिला, न सुलझती गुत्थी

बता दें,एक ओर नए पुलिस अधीक्षक के कार्यभार संभालते ही जिले में धरपकड़ तेज़ होने की खबरें हैं, जो कि पुरे जिले में चर्चा का सराहनीय विषय बन गया है, वहीं दूसरी ओर धरमजयगढ़ में अपराधियों के हौसले बुलंद नज़र आ रहे हैं। चोरी की एक के बाद एक घटनाओं ने न केवल शहरवासियों को भयभीत किया है, बल्कि स्थानीय पुलिस के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। वहीं स्थानीय नागरिकों का सवाल है, कि आखिर चोर अब तक गिरफ्त से बाहर कैसे हैं? बीते दिनों डीज़ल चोरी की घटनाएँ आम थीं, उसी दौरान घरों में ताले टूटने की शिकायतें भी सामने आती रहीं। परंतु हालिया चोरियों में भी अब तक न तो कोई ठोस सुराग मिला है और न ही किसी प्रकार की गिरफ्तारी या प्रभावी कार्रवाई हो पाई है। वहीं नगरवासियों की मांग है कि रात्रि गश्त को सख्त किया जाए, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जाए और जल्द से जल्द चोरों को पकड़कर शहर में भरोसे का माहौल बहाल किया जाए—ताकि धरमजयगढ़ फिर से शांति माहौल व निडर होकर रात की नींद ले सके।

कांकेर में सी.जी.पीएससी अभ्यर्थियों हेतु प्रेरणात्मक कार्यशाला, कलेक्टर व सीईओ ने दिया सफलता का मंत्र

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले में प्रतिभाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मावा मोदोल सशक्त सेंटर लाइब्रेरी कोचिंग केंद्र, कांकेर में पीएससी अभ्यर्थियों के लिए विशेष मोटिवेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने अपने प्रेरणादायी एवं ओजस्वी संबोधन से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार किया। कलेक्टर क्षीरसागर ने कहा कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा केवल ज्ञान की नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन, निरंतरता और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लक्ष्य बड़ा हो तो मेहनत भी उसी स्तर की होनी चाहिए। उन्होंने अभ्यर्थियों को प्रतिदिन नियोजित अध्ययन, विषयों की गहन समझ, नियमित मॉक टेस्ट और समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण अनुभव है। यदि विद्यार्थी सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय के साथ तैयारी करें तो सफलता निश्चित है। कलेक्टर ने जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रशासन ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हर संभव संसाधन और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। मावा मॉडल निःशुल्क कोचिंग के माध्यम से जिले की प्रतिभाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सक्षम बनाया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने भी अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए नियमित रिवीजन, करंट अफेयर्स पर विशेष पकड़ और संतुलित दिनचर्या बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने जानकारी दी कि पीएससी प्रारंभिक परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को आगे की तैयारी हेतु जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क आवासीय कोचिंग सुविधा प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, डीएमसी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। संवाद सत्र में अभ्यर्थियों ने अपने प्रश्न रखे और अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

किसानों के बोरवेल कनेक्शन काटने को लेकर कांग्रेस करेगी जिला कलेक्ट्रेट का घेराव एवं धरना प्रदर्शन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा से आज बेमेतरा विधानसभा के अंतर्गत बेरला विकासखंड के ग्राम देवरी बीजाभाट अमोरा बावनलाख सरदा अतरघढी जौग एवं आन्दू से आए हुए, सैकड़ो किसानों ने पूर्व विधायक के समक्ष खेतों में लगे हुए बोरवेल की बिना किसी सूचना के बिजली काटे जाने से खड़ी फसल को होने वाले नुकसान को लेकर अपनी व्यथा बताने पूर्व विधायक के कार्यालय पहुंचे थे किसानों ने पूर्व विधायक से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की तथा अपनी पीड़ा पूर्व विधायक को बताई सिंचाई व्यवस्था बाधित होने से किस तरह उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ने वाला है किसानों के द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी से इस मामले में सहयोग तथा उनकी आवाज उठाने की मांग सहित जन आंदोलन करने की मांग की गई जिस पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक ने दिनांक 19 फरवरी को दोपहर 12:00 बजे जिला कलेक्ट्रेट बेमेतरा के सामने धरना प्रदर्शन एवं जिला कलेक्ट्रेट का घेराव करने की बात कही है किसानों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार शुरू से किसान विरोधी सरकार रही है जब से बीजेपी छत्तीसगढ़ प्रदेश में सत्ता में काबिज हुई है तब से आज तक सिर्फ किसानों को परेशान करने का काम विष्णु देव साय की सरकार ने किया है जिस तरह प्रदेश में सरकार ने धान खरीदी की है और हजारों किसान आज भी अपना धान लिए बैठे हैं जिनके धान सोसाइटी में नहीं बिक सके अगर प्रशासन को दूसरी फसल के रूप में धान की फसल को प्रतिबंधित करना ही है तो पूर्व में ही किसानों को चेतावनी दे दी जानी चाहिए थी कि अगर किसी किसान ने धान की फसल लगाए तो उसे बिजली की सुविधा नहीं दी जाएगी उसके बिजली काट ली जाएगी किंतु प्रशासन के द्वारा इस तरह से किसी भी प्रकार का कोई अल्टीमेटम किसानों को नहीं दिया गया आज जब किसानों की फसल तैयार हो चुकी है उन्हें पानी की सख्त जरूरत है ऐसी स्थिति में हरकत में आए बिजली विभाग ने किसानों के साथ पीठ में छुरा घोट वाला काम किया है किसान बुरी तरह से परेशान है किसानों ने इस फसल के दम पर ही लाखों रुपए के कृषि लोन लिए हुए हैं साहूकारों से लोन लेकर बैठे हुए हैं अब अगर फसल चौपट हो जाती है तो इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा समय रहते अगर बिजली विभाग चौकन्ना रहता और किसानों को समझा देते की दूसरी फसल के रूप में धान की फसल ली गई जाएगी तो उन्हें विद्युत विच्छेद का सामना करना पड़ेगा ऐसी स्थिति में किसान दूसरी फसल के रूप में धान की बुवाई करते ही नहीं आज जब किसानों को बिजली की सख्त आवश्यकता है प्रशासन अपनी कुंभकरण नींद से जगा है और किसानों की खड़ी फसल को तबाह करने में जुट गया है किसानों की व्यथा छत्तीसगढ़ के आम गरीब पिछड़ा एवं दलित वर्ग की समस्या है और कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही किसान हितैसी पार्टी रही है हम आए हुए किसानों को अकेला नहीं छोड़ सकते किसानों के हित में जो भी करना होगा वह किया जाएगा प्रशासन को हम अल्टीमेटम दे रहे हैं कि दो दिवस के अंदर अगर किसानों के विद्युत विच्छेद कनेक्शन को नहीं जोड़ा गया तो जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा जिला कलेक्ट बेमेतरा का घेराव धरना प्रदर्शन करेगी जिसकी जिम्मेवारी जिला प्रशासन बेमेतरा की होगी ।

नगर पंचायत तमनार के लिए नई समिति का गठनः अश्वनी पटनायक बने अध्यक्ष

नवा रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आज एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की गई है। राज्य सरकार ने 'छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961' की धारा 16 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगर पंचायत तमनार (जिला-रायगढ़) के कार्यों के संचालन के लिए एक नई समिति का गठन किया है। यह समिति आगामी आदेश तक नगर पंचायत के परिषद संबंधी कार्यों का निर्वहन करेगी। इस नियुक्ति के आदेश राज्यपाल के नाम से उप-सचिव भागवत जायसवाल द्वारा जारी किए गए हैं।

समिति का विवरणःनवनियुक्त समिति में कुल 7 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिनके नाम और पद निम्नानुसार हैं

श्री अश्वनी पटनायक स्व. श्री लक्ष्मीनारायण पटनायक अध्यक्ष

2 श्री सुरेन्द्र साहू स्व. श्री देवनंदन साहू उपाध्यक्ष

3 श्री जगन्नाथ सिदार श्री सुखीलाल सिदार सदस्य

4 श्रीमती गीतांजलि पटनायक श्री सुखदेव नायक सदस्य

5 श्री हेमलाल साहू श्री अमृतलाल साहू सदस्य

6 श्री योगेश गुप्ता स्व. श्री गोविंद प्रसाद गुप्ता सदस्य

7 श्रीमती ज्योति पटेल श्री जीवन पटेल

कि नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी ताकि नगर पंचायत तमनार के प्रशासनिक और विकास कार्य सुचारू रूप से चलते रहें।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने ली बोर्ड परीक्षा उड़नदस्ता टीम की बैठक

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्टरेट सभाकक्ष में दसवीं, बारहवीं बोर्ड परीक्षा से जुड़े उड़नदस्ता टीम के साथ बैठक लेकर उन्हें निर्देश दिए कि सभी निर्धारित समय पर निश्चित स्थान में पहुंचे। जिस दिन जिस विषय का परीक्षा हो उस दिन उस विषय का शिक्षक की ड्यूटी नहीं लगाई जाए। स्कूल परिसर में गहरी शांति का वातावरण हो। बच्चों के परीक्षा के दौरान अनावश्यक आपसी बातचीत कोई नहीं करें। प्रश्न पत्र खोलते समय इसकी गोपनीयता बरकरार अनिवार्य रूप से रखी जाए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, ऋचा सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी जोइधाराम डहरिया सहित दल के सदस्य उपस्थित थे।

मियार में टंगी मिली युवक की लाश

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

निरंजन गुप्ता रायगढ़ / घरघोड़ा

घरघोड़ा थाना क्षेत्र से बड़ी घटना सामने आई है जिसमे कमरे में युवक कि टंगी हुई लाश मिली है। जानकारी अनुसार ग्राम भेंगारी में एक युवक की घर के कमरे में मियार (लकड़ी की बल्ली) से टंगी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना 15ङ्क16 फरवरी की दरमियानी रात की बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार मृतक युवक की पहचान शिवा यादव पिता दशरथ यादव निवासी उम्र 19 ग्राम भेंगारी, थाना घरघोड़ा थाना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परिजनों ने कमरे में युवक को फांसी के फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव पंचनामा की कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक युवक काम हैदराबाद काम करने गया था कुछ दिन पूर्व घर वापस आया था घर कि माली हालात सही नहीं होने का कारण युवक पुनः काम करने हैदराबाद जाने के लिए परिजनों को बोला परन्तु घर वालों ने जाने से मना करने के कारण युवक द्वारा बड़ी घटना को अंजाम देने कि बात सामने आ रही है पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

रायगढ़ में वेदांता के कोल प्रोजेक्ट का विरोध, आदिवासियों ने सांसद राधेश्याम को सौंपा ज्ञापन

रायगढ/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक बड़ी खबर आ रही है। खरसिया विकासखंड के बरगढ़ खोला क्षेत्र में वेदांता कंपनी (बाल्को) द्वारा प्रस्तावित कोयला उत्खनन और सर्वेक्षण कार्य का स्थानीय आदिवासी और निवासी कड़ा विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों ने रायगढ़ के सांसद राधेश्याम राठिया को ज्ञापन सौंपकर इस परियोजना को तत्काल निरस्त करने की मांग की है।ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा क्षेत्र भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 8 अगस्त 2022 को लागू किए गए पेसा (क्क्र्र्) अधिनियम के तहत यहां के निवासियों को जल, जंगल और जमीन पर व्यापक अधिकार प्राप्त हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि बरई कोल ब्लॉक का आवंटन वेदांता कंपनी को किए जाने से बरगढ़ खोला वनांचल के 12 से अधिक गांवों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। ज्ञापन के मुताबिक, इस क्षेत्र में भारी जनसमूह निवास करता है और यह आदिवासियों की संस्कृति, देवी-देवताओं और पूर्वजों की निशानी से जुड़ा हुआ है।ज्ञापन में यह भी बताया गया है कि बरगढ़ खोला क्षेत्र एक प्राकृतिक वनांचल है, जो ऊंचे पहाड़ों और मांद व बोरोई नदियों से घिरा है। ग्रामीणों को डर है कि कोयला उत्खनन से न केवल हजारों एकड़ घने जंगल और वन्यजीव नष्ट हो जाएंगे, बल्कि यहां की 'बनगहियां' बोली और संस्कृति भी समाप्त हो जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि वे अपनी आजीविका और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए किसी भी कीमत पर अपनी जमीन नहीं छोड़ेंगे। फिलहाल, अब सबकी निगाहें सांसद के पास पहुंचे इस ज्ञापन पर टिकी हैं कि इस पर क्या कार्रवाई की जाती है??

कांग्रेस ने रखी तीन मांगें

कांग्रेस ने किया जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर चांपा द्वारा मनरेगा कानून में बदलाव और किसानों का पूरा धान नहीं खरीदने के विरोध में मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया गया ।छत्तीसगढ़ में मनरेगा का नाम बदले जाने और किसानों का पूरा धान नहीं खरीदने का कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है, जांजगीर में कांग्रेस ने सभा का आयोजन करने के पश्चात पैदल मार्च निकलकर जिला कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया ।मोदी सरकार ने मनरेगा योजना का नाम बदलकर महात्मा गांधी जी के बताए गए रास्ते को भूलने का घिनौना प्रयास किया है, नाम बदले जाने का कांग्रेस विरोध कर रही है । जांजगीर में इस मुद्दे पर कांग्रेस नेताओं ने पैदल मार्च निकाला और कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस नेताओं ने मदनलाल पेट्रोल पंप से पैदल मार्च करते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी करते हुए बड़ी संख्या में कांग्रेसी कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे । कांग्रेस नेताओं ने यहां कलेक्टर दफ्तर का घेराव किया और कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। घेराव में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सह प्रभारी विजय जांगिड़, जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप, अकलतरा विधायक राघवेंद्र सिंह, पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश, जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त मनरेगा प्रभारी विजय केसरवानी, संदीप यादव, दिनेश शर्मा, मंजू सिंग, मोतीलाल देवांगन, रघुराज पांडेय, गिरधारी यादव, संदीप अग्रवाल, हरप्रसाद साहू समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे ।रैली में पहुंचे किसान, मजदूरों ने कलेक्टर कार्यालय के सामने लगाए गए टिन शेड को तोड़ने का प्रयास किया और भारी आक्रोश जताया । कांग्रेस के आला नेताओं ने देश के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा । कांग्रेस ने रखी तीन मांगें[महामहिम को लिखे ज्ञापन में जिला कांग्रेस ने कुल तीन मांगें रखी है. जो इस प्रकार है.महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को उसके मूल स्वरूप में बनाए रखा जाए.मनरेगा के अंतर्गत पंचायतो एवं ग्राम सभाओं को पूर्व की भांति योजना निर्माण, क्रियान्वयन एवं निगरानी के पूर्ण संवैधानिक अधिकार प्रदान किए जाएंवर्तमान मंहगाई एवं जीवन-यापन की वास्तविक लागत को देखते हुए मनरेगा के अंतर्गत न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन निर्धारित की जाए ।]नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत नेमनरेगा कोई साधारण योजना नहीं, बल्कि जन आंदोलनों से निकला कानून है। यह 'हर हाथ को काम दो, काम का पूरा दाम दो' के सिद्धांत पर आधारित है। इस कानून ने ग्रामीणों को 100 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी, महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों को सशक्त किया और गांवों में विकास को मजबूती दी।विजय जांगिड़ ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एवं सोनिया गांधी के द्वारा मजदूरों के हितों में मनरेगा योजना लाई गई थी.

वहीं नगरवासियों की मांग है कि अज्ञात ट्रक कि चपेट में बाइक पिता पुत्र कि मौत दो अन्य घायल

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के पूंजीपथरा मार्ग पर तराईमाल स्थित बंजारी प्लांट के समीप सोमवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला और एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि पूंजीपथरा क्षेत्र के महुआ चौक तुमीडीह निवासी मोहम्मद अशरफ कुरैशी अपनी पत्नी और दो बच्चों को लेकर बाइक से लगभग 12 बजे के आसपास इलाज के लिए रायगढ़ निकले थे। परिवार का 8 वर्षीय बेटा बीमार था, जिसे दिखाने वे अस्पताल ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को बुरी तरह टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक ने अचानक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयावह था कि मोहम्मद अशरफकुरैशी और उनके 8 वर्षीय पुत्र आफ्ताब कुरैशी की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी और एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद सड़क पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।रायगढ़ङ्कपूंजीपथरा मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार अक्सर हादसों का कारण बनती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रभावी नियंत्रण के उपाय नजर नहीं आ रहे हैं।रात्रि गश्त को सखूत किया जाए, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नज़र रखी जाए और जल्द से जल्द चोरों को पकड़कर शहर में भरोसे का माहौल बहाल किया जाए—ताकि धरमजयगढ़ फिर से शांति माहौल व निडर होकर रात की नींद ले सके।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोनल कार्यालय, बिलासपुर में हिंदी कार्यशाला संपन्न

बिलासपुर। रेलवे जोनल कार्यालय, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर के सभा कक्ष में दिनांक 16.02.2026 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के राजभाषा नोडल कर्मचारियों सहित कुल 26 कार्मिकों नें भाग लिया । इस कार्यशाला में श्री पीताम्बर लाल जाटवर, राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय) द्वारा मासिक प्रगति रिपोर्ट बनाने में आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । विभागों से प्राप्त रिपोर्ट की मदवार समीक्षा करते हुए उनकी कमियों को दूर करने के उपाय से अवगत कराया गया तथा वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 के निर्धारित लक्ष्य, राजभाषा नियम एवं प्रेरणा व प्रोत्साहन से काम किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई । माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर मे किए गए निरीक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए उनके अनुपालन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई । वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों तथा उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । कार्यशाला का संचालन श्री पी.के. गवेल, वरिष्ठ अनुवादक द्वारा किया गया ।

एसके रायपुर मैराथन 1 मार्च कोः फिटनेस के साथ सामाजिक जागरूकता की बड़ी पहल

रायपुरः 1 मार्च की सुबह रायपुर की सड़कों पर दौड़ते कदम केवल फिटनेस का उत्सव नहीं मनाएंगे, बल्कि एक सुरक्षित, स्वच्छ और जागरूक समाज के निर्माण का संदेश भी देंगे। संकृति युवा संस्था और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईईएमआर) द्वारा एस के फाइनेंस के सहयोग से आयोजित होने वाली एसके रायपुर मैराथन इस बार फिटनेस के साथ सामाजिक सरोकारों को जोड़ने का सशक्त प्रयास है। यह आयोजन शहरवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने का मंच प्रदान करेगा।

तीन कैटेगरी में होगी रन- एसके रायपुर मैराथन को तीन श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा 21 किलोमीटर (हाफमैराथन), 10 किलोमीटर रन और 3 किलोमीटर फन रन। इन तीनों कैटेगरी के माध्यम से विभिन्न आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के प्रतिभागियों को अपनी क्षमता के अनुसार भाग लेने का अवसर मिलेगा। आयोजन समिति का उद्देश्य है कि पेशेवर धावकों से लेकर आम नागरिक तक, हर कोई इस उत्सव का हिस्सा बन सके।

सामाजिक उद्देश्य- मैराथन इस वर्ष तीन प्रमुख सामाजिक अभियानों को समर्पित हैः ड्रग फ्री रायपुर, साइबर सिक्योरिटी जागरूकता और स्वच्छ एवं स्वस्थ रायपुर। इस पहल के जरिए युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा, डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा और स्वच्छता व स्वास्थ्य को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी जाएगी।

आयोजक मुकेश मिश्रा ने कहाः एसके रायपुर मैराथन का आयोजन शहरवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए किया जा रहा है अतः सभी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस जनअभियान का हिस्सा बनें। मैराथन के रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं इच्छुक लोग एसके रायपुर मैराथन की वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। 3 किमी के लिए रजिस्ट्रेशन फ्री है।

अंत में उन्होंने कहा कि एसके रायपुर मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि शहर की सामूहिक चेतना को जागृत करने का अभियान है। यह पहल युवाओं, परिवारों और संस्थानों को एक मंच पर लाकर स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देगी। 1 मार्च को रायपुर एक बार फिर ऊर्जा, उत्साह और संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा जहां हर कदम फिटनेस के साथ एक बेहतर, सुरक्षित और स्वच्छ शहर के निर्माण की दिशा में उठेगा।

त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव यज्ञ पूर्णाहुति एवं भण्डारा के साथ सम्पन्न....

बिलासपुर। सरगांव माण्डूक्य ऋषि की तप:स्थली श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू में आयोजित त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव का समापन यज्ञ की पूर्णाहुति एवं भव्य भण्डारे के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में तीनों दिवस श्रद्धालुओं की निरंतर उपस्थिति रही। आयोजन के तृतीय दिवस प्रातः से ही पूजा-अर्चना का क्रम प्रारंभ हुआ। निर्धारित समयानुसार दो आवृत्ति रूद्राभिषेक संपन्न कराया गया, जिसमें विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया। रूद्राभिषेक के पश्चात हवन यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की गई। वैदिक विधि-विधान से संपन्न हवन के उपरांत पूर्णाहुति दी गई और इसी के साथ त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। तीनों दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों, भजन-कीर्तन तथा सत्संग का भी आनंद लिया। समापन अवसर पर आयोजित भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के पदाधिकारी जीवन लाल कौशिक, राममनोहर दुबे, प्रदीप शुक्ला, प्रदीप चतुर्वेदी, मनीष मिश्रा, भगवती प्रसाद मिश्र, मनीष अग्रवाल, मनीष साहू, परस साहू, प्रमोद दुबे, संतोष तिवारी, विमला सुनील साहू, नेतराम सोनवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा। समिति के सदस्यों ने व्यवस्था, पूजा-पाठ, भण्डारा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का सुव्यवस्थित संचालन किया। महोत्सव के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को सशक्त करने वाला बताया। पूरे वातावरण में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे और शिवभक्ति की अलौकिक छटा ने सम्पूर्ण क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। स्मरणीय हो कि सामाजिक कार्यकर्ता स्व. शांताराम जी के द्वारा श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू के प्राचीन वैभव को पुनर्जीवित करने की दृष्टि से द्वीप क्षेत्र में विभिन्न आयोजन और गतिविधियां प्रारम्भ किया और आसपास 40 गांवों के ग्रामीणों से जीवन्त सम्पर्क स्थापित कर द्वीप क्षेत्र में होने वाले आयोजनों से जोड़ने का कार्य किया। जिससे पुरे क्षेत्र में जागरण का कार्य हो सका और चिकित्सा, शिक्षा, धार्मिक प्रकल्पों के माध्यम से मदकू ही नहीं वरन् चंदरपुर, चंद्रखुरी, दरुवनकांपा,ठेलकी,बासिन आदि गांवों में सामाजिक समरसता,मेल जोल, कुटुम्ब प्रबोधन का कार्य क्रियान्वित हो सका।

मनेंद्रगढ़ रेलवे स्वास्थ्य इकाई में किशोरियों हेतु एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान का आयोजन

■ प्रथम चरण में 32 बालिकाओं का टीकाकरण, 42 का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

बिलासपुर। दिनांक 14/02/2026 को मनेंद्रगढ़ स्थित रेलवे स्वास्थ्य इकाई में 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए एच.पी.वी. (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम का प्रथम चरण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह अभियान बालिकाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 32 लाभार्थी बालिकाओं को एच.पी.वी. वैक्सीन प्रदान की गई, वहीं 42 बालिकाओं का विस्तृत मेडिकल स्क्रीनिंग परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व एवं इसके दीर्घकालिक लाभों के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (ष्टरूस्) डॉ शेख सिराजुद्दीन, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (ष्टरूस्) डॉ शांति पूर्ती भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता एवं निवारक चिकित्सा के महत्व पर बल देते हुए इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. नितिन शाह, डॉ अरुणा बेक एवं उनकी समर्पित मेडिकल टीम द्वारा किया गया। टीम ने टीकाकरण की संपूर्ण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराया, साथ ही उपस्थित बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों को आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। रेलवे प्रशासन द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों एवं टीकाकरण अभियानों के माध्यम से रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आगामी चरणों में भी इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हो सकें।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर बिछड़ा बालक सुरक्षित परिजनों को सौंपा

■ वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से टली बड़ी चिंता

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की एक सराहनीय एवं मानवीय पहल देखने को मिली, जब भीड़-भाड़ के दौरान अपने परिवार से बिछड़े लगभग 5 वर्षीय बालक को रेलवे टीम की सजगता से सुरक्षित परिजनों को सौंपा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित परिवार बिलासपुर से भोपाल की यात्रा हेतु 18233 नर्मदा एक्सप्रेस से प्रस्थान करने वाला था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच बालक अपने परिजनों से अलग हो गया। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने पर वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए स्टेशन परिसर में खोजबीन प्रारंभ की। स्टेशन पर तैनात कर्मचारियों के समन्वित प्रयास एवं सतर्क निगरानी के परिणामस्वरूप अल्प समय में ही बालक को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। बालक को सुरक्षित अभिरक्षा में रखते हुए उसके परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया तथा आवश्यक पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उसे सकुशल परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने रेलवे प्रशासन एवं वाणिज्य विभाग की टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया तथा त्वरित कार्रवाई की सराहना की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया- यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बिना पुनरावृति के केलोइड्स का सफल इलाज-प्रोफेसर

बिलासपुर। लखनऊ से प्रोफेसर जे एन मिश्रा (पूर्व हेड फैकेल्टी आफआयुर्वेद लखनऊ यूनिवर्सिटी) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को बताया की एक नई संशोधित तकनीक के माध्यम से केलोइड्स (अनियमित रेशेदार ऊतक) का सफल इलाज कर सकते हैं उन्होंने बताया कि इस नई संशोधित तकनीक के माध्यम से इसे गहरे ऊतकों तक पहुंचाने के लिए भविष्य की उन्नत तकनीक के साथ समान परिस्थितियों में भी आजमाया जा सकता है। उन्होंने बताया की आयुर्वेद के अनुसार पढ़े देखें और अनुभव करें फिर इस तकनीक को लागू करना चाहिए। प्रोफेसर जे एन मिश्रा ने बताया कि उनके वर्तमान शोध कार्य बिना चाकू के ट्यूमर के उन्मूलन पर केंद्रित है और पुनरावृति ट्यूमर को आयुर्वेद में अबुर्द कहा गया है। उन्होंने पुनरावृति से संबंधित बाधाओं को दूर करने के लिए शोध कार्य को केलोइड्स की सर्जरी के संदर्भ में पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया। तकनीक का उपयोग दबाव प्रवणता तकनीक के तहत केलोइड्स को खत्म करने के लिए ट्यूमर पर लागू बंधन के आधार पर किया गया। इसमें दबाव दल तकनीक का उपयोग किया गया जिसमें संचारक पदार्थ युक्त धागे का त्याग किया गया और इसे स्लिप लूज नॉट में बदल दिया गया ताकि पूरे कार्यक्रम में एक ही धागे का लगातार प्रयोग किया जा सके। प्रभावित हिस्से को साफ कर साबुन और पानी से धोया गया और बंधन के लिए 0.5 एमएम का नरम सूती धागा (कोर हार्ड लेकिन बाहरी नरम और कुशन) ताकि के लोइड के ऊतक को घाव न लगे। संपीडन प्रवणता का मूल्यांकन दर्द के आभास से किया गया। प्रत्येक तीसरे दिन संपीडन को न्यूनतम दबाव प्रवणता की सीमा तक बढ़ाया गया जो कि कम से कम 20 मिली मीटर एच जी तक रहता है। प्रोफेसर जेएन मिश्रा ने प्रेस वार्ता में इस तकनीक से सफल इलाज की चार केस रिपोर्ट भी प्रस्तुत करी। पहले केस रिपोर्ट में उन्होंने स्वयं पर उपरोक्त विधि का पालन किया इस विधि से 21 दिन में केलोइड्स बह गया और उसकी फिर पुनरावृत्ति नहीं हुई। दूसरे केस में 28 वर्ष की आयु के पुरुष का इलाज, तीसरे केस में 60 वर्ष की आयु की महिला के दाहिने घुटने पर केलोइड्स का सफल इलाज और चौथे में 32 वर्ष आयु के पुरुष का दाहिने कान के नीचे केलोइडस का सफल इलाज किया गया जिसकी आज तक पुनरावृत्ति नहीं हुई।

स्मार्ट मीटर की भ्रांतिया, मोर बिजली ऐप के माध्यम से की जा रही दूर

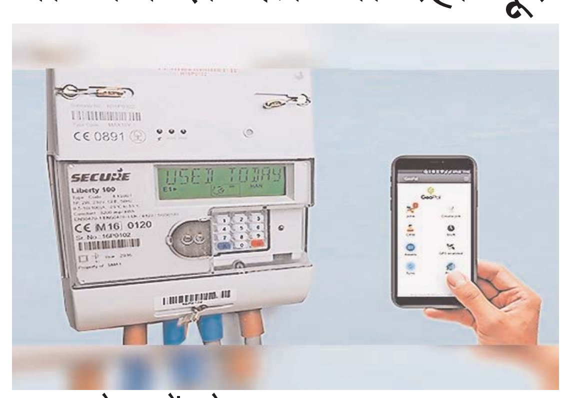

■ उपभोक्ताओं को जागरूक करने विभाग द्वारा चलाया जा रहा है, स्मार्ट मीटर पखवाड़ा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के संबंध में पूरी जानकारी देने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उपभोक्ताओं की जिज्ञासा एवं भ्रांतियों को दूर करते हुये अवगत कराया जा रहा है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह स्वचालित है, इसमें किसी भी प्रकार का कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा और न ही गलत रीडिंग या बिलिंग की समस्या होगी। साथ ही बिजली चोरी से भी निजात मिलेगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य मेसर्स जीनस कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत बिलासपुर शहर के लगभग 1 लाख 44 हजार उपभोक्ताओं में से 96 हजार उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य किया जा चुका है। मीटर स्थापना के उपरांत स्मार्ट मीटर का विवरण सैप सिस्टम में दर्ज किया जाता है, जिसके उपरांत नवीन स्मार्ट मीटर के रीडिंग के अनुसार बिलिंग किया जाता है। स्थापित किये गये 96 हजार में सें लगभग 99 प्रतिशत मीटरों का विवरण सैप सिस्टम में दर्ज किया जा चुका है तथा स्मार्ट मीटर के रीडिंग के अनुसार ही बिलिंग हो रही है एवं शेष स्मार्ट मीटरों के विवरण को सैप सिस्टम में दर्ज करने की कार्यवाही सतत् प्रक्रियाधीन है जिन्हे आगामी माह के बिल में पूर्ण कर लिया जावेगा। कतिपय प्रकरणों में मानवीय त्रुटिवश मीटर विवरण दर्ज नही होने संबंधी शिकायत विद्युत कार्यालयों में प्राप्त होने पर पूर्व में किये गये औसत बिलिंग को समायोजित करते हुये त्वरित सुधार की कार्यवाही की जाती है, यदि उपभोक्ता को एकमुश्त बिल जारी होता है तो नियमानुसार स्लैबिंग की सुविधा प्रदाय करते हुये बिल जारी किया जाता है। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्ट द्वारा अवगत कराया गया है कि स्मार्ट मीटर में बिलिंग संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित मैदानी कार्यालय से संपर्क किया जावे ताकि विभागीय अधिकारियों द्वारा जीनस कंपनी के साथ सामंजस्य स्थापित कर तत्काल सुधार कार्य किया जा सके।

एसईसीएल मुख्यालय में कंज़्यूमर मीट का आयोजन,गुणवत्ता पर विशेष फोकस दिया

बिलासपुर। एसईसीएल द्वारा आज दिनांक 16 फरवरी 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में कोयला उपभोक्ताओं के साथ बेहतर समन्वय एवं संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से कंज़्यूमर मीट का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन ने की। इस दौरान निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवं निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सीएमडी श्री हरीश दुहन ने स्पष्ट रूप से कहा कि टीम एसईसीएल अब गुणवत्ता सर्वोपरि के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एसईसीएल का उद्देश्य केवल अधिक कोयला उत्पादन नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता युक्त, भरोसेमंद और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से खुलकर अपने सुझाव एवं विचार साझा करने का आह्वान किया और विश्वास दिलाया कि प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। श्री दुहन ने आश्वस्त किया कि गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और बेहतर समन्वय के माध्यम से एसईसीएल उपभोक्ता संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा तथा उद्योगों की ऊर्जा आवश्यकताओं की विश्वसनीय पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने अपने संबोधन में Production with Purity, Dispatch

with Quality के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि उत्पादन प्रक्रिया से लेकर डिस्पैच तक हर स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही एसईसीएल की वास्तविक सफलता है। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (खनन/विक्रय) श्री अजीत चौधरी द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कंपनी की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रणाली, गुणवत्ता प्रबंधन तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उपभोक्ताओं ने कोयले के मूल्य की वापसी (Refund of Coal Value), बैंक गारंटी, गुणवत्ता युक्त कोयले की आपूर्ति एवं अन्य परिचालन संबंधी विषयों पर प्रश्न एवं सुझाव प्रस्तुत किए। सीएमडी श्री हरीश दुहन संपूर्ण बैठक के दौरान उपस्थित रहे तथा सभी प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (गुणवत्ता) श्री संजीव निगम, महाप्रबंधक (वित्त) श्रीमती रोंटी बसु सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यूएई को हराने में छूटे अफगानिस्तान के पसीने

● आखिरी ओवर तक चला रोमांचक मुकाबला, किसे मिला सुपर 8 का टिकट? ● टी20 वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान की पहली जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप के 28वें मैच में अफगानिस्तान की टीम ने आखिरी ओवर तक चले रोमांचक मुकाबले में यूएई को 5 विकेट से हरा दिया। यह इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की पहली जीत है। हालांकि उनकी सुपर 8 में पहुंच पाने की उम्मीदें बेहद कम हैं। इस मैच की बात करें तो पहले बैटिंग करते हुए यूएई ने बोर्ड पर 160 रन लगाए थे। जवाब में आखिरी ओवर तक चले मैच में अफगानिस्तान ने 5 विकेट खोकर इस मैच को जैसे-तैसे जीत लिया। अफगानिस्तान की टीम की जीत के साथ ही साउथ अफ्रीका सुपर 8 में पहुंचने वाली तीसरी टीम बन चुकी है।

आखिरी ओवर में चेज हुआ टारगेट- यूएई के 161 रन के टारगेट को चेज करने में अफगानिस्तान की टीम को आखिरी ओवर तक बल्लेबाजी करनी पड़ी। अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान ने 53 रन की शानदार पारी खेली। वहीं इस टीम को जीत अजमतउल्लाह ओमरजई ने दिलाई जिन्होंने 21 गेंद पर नाबाद 40 रन की पारी खेली। वहीं दार्विस रसूली ने 33 रन बनाए। वहीं यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

शोएब ने ठोकी हाफ सेंचुरी- शोएब खान के अर्धशतक से यूएई ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में सोमवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ 9 विकेट पर 160 रन बनाए। शोएब ने 48 गेंद में चार छक्कों और छह चौकों से 68 रन की पारी खेलने के अलावा आलीशान शराफू (40) के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की जिससे यूएई की टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में सफल रही।

अच्छी नहीं रही यूएई की शुरुआत

अफगानिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई (15 रन पर चार विकेट) और मुजीब उर रहमान (31 रन पर दो विकेट) ने यूएई को नियमित अंतराल पर झटके दिए लेकिन शोएब ने एक छोर संभाले रखा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान (24 रन पर एक विकेट) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यूएई ने दूसरे ओवर में 13 रन तक ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों आर्यांश शर्मा (00) और कप्तान मुहम्मद वसीम (10) के विकेट गंवा दिए।

लगातार गिरते रहे विकेट- मैच की चौथी ही गेंद पर आर्यांश ने अजमतुल्लाह की गेंद पर विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज को कैच थमाया। इस समय टीम के रनों का खाता भी नहीं खुला था। अगले ओवर में वसीम ने मुजीब पर लगातार दो चौके मारे लेकिन इस ऑफ स्पिनर की अगली गेंद को चूककर पगबाधा हो गए। शोएब ने मुजीब पर लॉन्ग ऑफ पर छक्का जड़ा और अगले ओवर में तेज गेंदबाज जियाउर रहमान पर तीन चौके मारे जबकि शराफू ने भी मुजीब पर दो चौके जड़े जिससे यूएई ने पावर प्ले में दो विकेट पर 55 रन बनाए।

आकाश चोपड़ा की बात सुनकर पाकिस्तानी शर्म से पानी-पानी हो गए होंग

भारतीय दिग्गज ने यूं खूब लताड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम द्वारा टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से धूल चटाने के बाद, पूर्व ओपनर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एक दिलचस्प ट्वीट किया है। चोपड़ा का मानना है कि भारतीय क्रिकेट फैंस की मानसिकता में अब एक बड़ा बदलाव आया है। आकाश का मानना है कि अब भारतीय टीम के फैंस को पाकिस्तान से जीत हार पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है।

आकाश ने जीत के बाद क्या कहा?

उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, एक समय था जब भारतीय कहा करते थे कि पाकिस्तान को हरा दो फिर चाहे वर्ल्ड कप हार जाओ। मुझे लगता है कि अब ऐसा नहीं है। उनके अनुसार, अब भारतीय फैंस के लिए जीत का पैमाना सिर्फ एक मैच नहीं बल्कि टूर्नामेंट की ट्रॉफी बन चुका है।

पाकिस्तान पर भी बोले आकाश चोपड़ा- आकाश चोपड़ा ने आगे स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के खिलाफ जीत की अहमियत कम नहीं हुई है, लेकिन यह अब फैंस की एकमात्र इच्छा नहीं रही। उन्होंने ट्वीट में कहा, पाकिस्तान को हराना महत्वपूर्ण है और हमारी भू-राजनीतिक वास्तविकता को देखते हुए हमेशा रहेगा, लेकिन अब यह भारतीय फैंस की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं का सब कुछ नहीं रह गया है। यह दर्शाता है कि भारतीय दर्शकों की नजरें अब ग्लोबल डोमिनेंस और आईसीसी खिताबों पर ज्यादा टिकी हैं।

आगे बढ़ चुके हैं भारतीय फैंस- आकाश चोपड़ा ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय फैंस अब इस प्रतिद्वंद्विता से काफी आगे निकल चुके हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, वे (भारतीय फैंस) आगे बढ़ चुके हैं। इसका मतलब है कि टीम इंडिया का लक्ष्य अब केवल पड़ोसी देश को हराना नहीं, बल्कि दुनिया की नंबर एक टीम बने रहना है।

भारतीय महिला टीम ने डकवर्थ-लुईस से 21 रन से जीती

6 साल बाद ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया, अरुंधति रेड्डी ने लिए 4 विकेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 15 फरवरी 2026 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 मैच में डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) नियम के तहत 21 रनों से जीत दर्ज की। सिडनी में खेले गए मैच में बारिश के कारण जब खेल रोका गया, उस समय भारत लक्ष्य का पीछा करते हुए 5.1 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 50 रन बना चुका था। उस समय डीएलएस के अनुसार भारत को जीत के लिए 29 रन तक पहुंचना जरूरी था। भारतीय टीम इस पार स्कोर से 21 रन आगे थी। इसलिए नियमानुसार भारत को 21 रन से विजेता घोषित किया गया।

अरुंधति रेड्डी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि रेणुका सिंह ने भी शानदार गेंदबाजी की। दोनों की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 133 रन पर समेट दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज बल्लेबाजी की और बारिश आने से पहले ही टीम को जीत की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

इस जीत के साथ भारतीय टीम अब ऑस्ट्रेलिया में अपनी दूसरी बाइलेटरल टी-20 सीरीज जीतने से सिर्फ एक कदम दूर है।

रेणुका सिंह का पावरप्ले में दबदबा, ऑस्ट्रेलिया को शुरुआत में रोका- मैच की शुरुआत में रेणुका सिंह ने अपनी स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। उन्होंने पावरप्ले में लगातार तीन ओवर फेंके। हालांकि उनके पहले ओवर की आखिरी दो गेंदों पर चौके लगे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। रेणुका ने अपने अगले दो ओवरों में सिर्फ 2 रन दिए और बेथ मूनी का विकेट झटका।

- **अरुंधति रेड्डी का करियर बेस्ट प्रदर्शन, 22 रन देकर झटके 4 विकेट-** एक समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 7 ओवर में 2 विकेट पर 68 रन था और वे मजबूत स्थिति में दिख रहे थे। तभी अरुंधति रेड्डी और दीप्ति शर्मा ने मैच का रुख पलट दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मिड-ऑफ पर पीछे दौड़ते हुए एलिस पेरी का शानदार कैच पकड़ा। इसके बाद अरुंधति ने लिचफील्ड को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने अपने 5 विकेट 10 ओवर से पहले ही गंवा दिए थे। अरुंधति ने अंत में जॉर्जिया वारेहम और डार्सी ब्राउन को आउट कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 133 रनों पर समेट दी।
- **18 ओवर में सिमटी ऑस्ट्रेलियाई टीम, छठी बार ऑलआउट हुई-** ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 18 ओवर में ही पवेलियन लौट गई। टी-20 इंटरनेशनल के इतिहास में यह केवल छठी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में ऑलआउट हुई है। वहीं, ओवरों के लिहाज से यह उनका तीसरा सबसे छोटा टी-20 इंटरनेशनल इनिंग रहा। ऑस्ट्रेलिया के ऊपरी क्रम के 7 में से 5 बल्लेबाजों ने दहाई का आंकड़ा छुआ, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। जॉर्जिया वारेहम 30 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहीं।
- **उप कप्तान ताहलिया मैकग्रा टीम से रही बाहर-** ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नई कप्तान सोफी मोलिनक्स के नेतृत्व में उतरी थी। टीम मैनेजमेंट ने उप-कप्तान ताहलिया मैकग्रा को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखकर सबको चौंका दिया। बैटिंग ऑर्डर में भी काफी बदलाव दिखे।

शेल्टन ने सेमीफाइनल थ्रिलर में शापोवालोव को हराया

फिट्ज भी फाइनल में पहुंचे

डलास (एजेंसी)। बेन शेल्टन नेक्सो डलास ओपन में अपने साथी लेफ्टी डेनिस शापोवालोव के बड़े टेस्ट से बच निकले, जहां उन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन को 4-6, 6-4, 7-6(4) से हराया। दूसरे सीड वाले शेल्टन ने पूरे मुकाबले में दबाव में शानदार हिम्मत दिखाई। उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें दूसरे सेट में 2-2 पर क्लच वॉली से एक जरूरी सेव और तीसरे सेट में 5-5 पर एक और सेव शामिल है। इस जीत के साथ, उन्होंने जोड़ी की हेड टू हेड सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला टॉप सीड टेलर फिट्ज से होगा। 2018 के बाद से यह टूर्नामेंट में टॉप दो सीड के बीच पहला फाइनल होगा, जब टॉप सीड केविन एंडरसन ने न्यूयॉर्क में दूसरे सीड सैम क्वेरी को हराया था, जहां पहले यह टूर्नामेंट हुआ था।

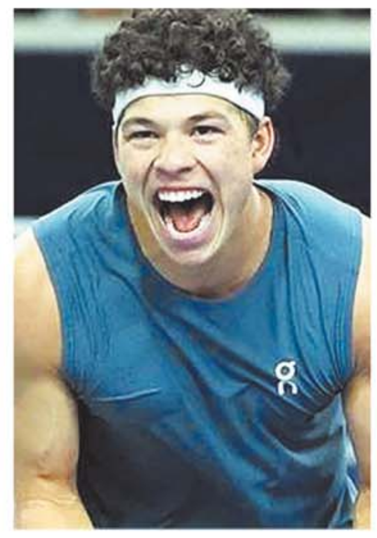

फिट्ज ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिर से वापसी कर रहे मारिन सिलिच का सिलसिला रोक दिया। थोड़े अंतर से तय हुए मैच में, टॉप सीड ने अपना धैर्य बनाए रखा और क्रोएशियाई खिलाड़ी को दो घंटे, दो मिनट के रोमांचक मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से हराया, और 37 साल के खिलाड़ी को 22 एस से हराया।

फिट्ज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, बस बहुत शांत सर्विंग। मुझे लगता है कि जब मैं शांत और रिलैक्स महसूस करता हूं, तो यही सबसे बड़ी बात है, मैं अच्छी सर्व करता हूं। दोनों खिलाड़ियों ने बिना ब्रेक वाले मैच में बड़ी डिलीवरी से दबदबा बनाया। फिट्ज़ को ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने सिलिच के 16 के मुकाबले 22 एस मारे, जिसमें पहले सेट के टाई-ब्रेक में चार शामिल थे।

'शाहीन को बाहर करो'

हार के बाद भड़के शाहिद अफरीदी, दामाद के खिलाफ खूब उगला जहर

करांची (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के महामुकाबले की काफी ज्यादा चर्चा हो रही थी। ऐसा लग रगा था इस बार टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान भारत को अच्छी टक्कर देगा। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। पाकिस्तान ने एक बार फिर भारत के सामने घुटने टेक दिए। पाकिस्तान 61 रन से भारत से मुकाबला हार गया। पाकिस्तानी फैंस और उनके पूर्व खिलाड़ियों को यह हार काफी ज्यादा चुभी। जहां शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी को जमकर सुनाया। वहीं पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अपने दामाद शाहीन अफरीदी को ही आड़े हाथ ले लिया।

शाहिद अफरीदी ने शाहीन को बाहर करने की मांग की पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एक पाकिस्तानी शो पर कहा कि सीनियर खिलाड़ी शाहीन अफरीदी, बाबर आजम और शादाब खान को टीम से बाहर कर देना चाहिए। उनकी जगह जूनियर प्लेयर्स को मौका देना चाहिए। नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह नामीबिया के खिलाफ मैच से ही ऐसा करना चाहेंगे। शाहिद अफरीदी ने इन तीनों प्लेयर्स को हटाने की बात करते हुए कहा, हम सब इतने अरसे से देख रहे हैं यह लोग खेले जा रहे हैं, खेले जा रहे हैं। जहां हमारी उम्मीदें होती हैं कि इस टीम के खिलाफ यह अच्छा परफॉर्म करेंगे। इतने सीनियर प्लेयर हैं। वहां अगर सीनियर नहीं करके दे रहे आपको तो जूनियर जो बाहर बैठे हैं उन्हें खिलाएं फिर, फिर क्या ज्यादा फर्क है। बता दें कि शाहीन अफरीदी ने शाहिद अफरीदी की बेटी अंशा अफरीदी से शादी की हुई है।

सहवाग बोले- फुल कंबल कुटाई

शर्मनाक हार से पाकिस्तान में मचा हाहाकार...

दिल्ली पुलिस ने लिखा- गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे

मुंबई (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में रविवार को पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। इसमें ओवर ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत की जीत और ईशान की पारी के बाद सचिन तेंदुलकर से लेकर अमित शाह तक कई दिग्गजों ने टीम को बधाई दी।।

वहीं, पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने मैच के बाद तंज कसते हुए इसे फुल कंबल कुटाई बताया। वहीं दिल्ली पुलिस ने भी मजेदार अंदाज में पोस्ट करते हुए लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूं ही मुंह की खाओगे।

सचिन- सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, पावरप्ले ही वो दौर रहा जहां भारत ने मुकाबले को पूरी तरह अपने कब्जे में कर लिया। पहली पारी में ईशान किशन की दमदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों की सटीक और अनुशासित गेंदबाजी ने मैच पर शिकंजा कस दिया। शुरुआत से ही टीम ड्राइविंग सीट पर नजर आई और अंत तक दबदबा बनाए रखा। भारत ने आज शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में पूरी तरह धूम मचा दी।

अमित शाह- टीम इंडिया ने शानदार खेल दिखाया। फॉर्मेट बदलते हैं, मैदान बदलते हैं, तारीखें बदलती हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मुकाबले का नतीजा अक्सर एक जैसा ही रहता है। एक बार फिर भारतीय टीम ने दबाव के मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत अपने नाम की। पूरी टीम को इस शानदार जीत के लिए ढेरों बधाई।

भारत का हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने लिखा, ईशान किशन ने सच में धुरंधर बल्लेबाज की तरह खेल दिखाया। उनकी पारी ने मैच का रुख ही बदल दिया। भारत के सामने पाकिस्तान की टीम काफी दबाव में नजर आई और टी-20 क्रिकेट के तेज अंदाज के मुकाबले उनका खेल थोड़ा पुराना और धीमा लगा। नतीजा यह रहा कि उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। टीम इंडिया ने हर डिपार्टमेंट में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और मुकाबला अपने नाम किया। पूरी तरह कंबल कुटाई।

'जाहिल, नाकाबिल', पाकिस्तान की हार से शोएब अख्तर का फूटा गुस्सा

कोलंबो (एजेंसी)। भारत से मिली 61 रन की करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में भूचाल आ गया है। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले में पाकिस्तान की हार ने टीम मैनेजमेंट और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने खुलकर पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी और टीम लीडरशिप पर निशाना साधा। अख्तर के तीखे शब्दों ने न सिर्फ पाकिस्तान क्रिकेट में बहस छेड़ दी है, बल्कि प्रशासनिक फैसलों की पारदर्शिता पर भी सवाल उठा दिए हैं।

- **भारत से हार और बढ़ता दबाव-** भारत ने इस जीत के साथ टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड और मजबूत कर लिया। मैच से पहले पाकिस्तान में काफी तैयारियों और दावों की चर्चा थी, लेकिन मैदान पर भारतीय टीम पूरी तरह हावी दिखी। इस हार के बाद पाकिस्तान के क्रिकेट सर्कल में आत्ममंथन शुरू हो गया है। टीम के प्रदर्शन से नाराज़ पूर्व दिग्गज खिलाड़ी अब खुलकर आलोचना कर रहे हैं।
- **शोएब अख्तर का तीखा हमला-** पूर्व पाकिस्तानी स्पीडस्टार शोएब अख्तर ने एक टीवी चैनल पर बातचीत के दौरान पीसीबी प्रशासन पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बोर्ड के शीर्ष पद पर ऐसे व्यक्ति को बैठाया गया है, जिसे क्रिकेट की समझ नहीं है। अख्तर ने सीधे तौर पर मोहसिन नकवी की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी 'नाकाबिल और अनजान' व्यक्ति को बड़ी जिम्मेदारी देना सबसे बड़ी गलती है। उनके बयान ने सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी।

- **टीम लीडरशिप पर भी सवाल-** अख्तर ने सिर्फ बोर्ड तक अपनी आलोचना सीमित नहीं रखी, बल्कि टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने इशारों में बाबर आजम और अन्य लीडरशिप ग्रुप के सदस्यों पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाया गया, वे टीम को मैच नहीं जिता पा रहे। उनका मानना है कि जब तक टीम चयन और रणनीति में स्पष्टता नहीं होगी, तब तक नतीजे बदलना मुश्किल है।
- **पीसीबी की कार्यप्रणाली पर बहस-** मोहसिन नकवी हाल के महीनों में पीसीबी के प्रमुख चेहरे बनकर उभरे हैं। एशिया कप के दौरान भी वह विवादों में रहे थे।

पाकिस्तान क्रिकेट का भविष्य?

भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान की राह आसान नहीं है। ग्रुप स्टेज में आगे बढ़ने के लिए उसे नामीबिया के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। अख्तर ने स्वीकार किया कि भारत क्रिकेट के स्तर पर काफी आगे निकल चुका है और पाकिस्तान को बुनियादी ढांचे, वित्तीय नीतियों और घरेलू सिस्टम में सुधार की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि टीआरपी और बाहरी दिखावे से आगे बढ़कर जमीनी सुधार करना होगा।

बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान, समानता का शंखनाद, कैबिनेट मंत्री युवराजगुरु गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में निकलेगी विराट पदयात्रा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दिखाएंगे श्वेत झंडा– रायपुर से निकलेगी भव्य पदयात्रा

समानता के संकल्प के साथ गुरु खुशवंत साहेब करेंगे ऐतिहासिक पदयात्रा का नेतृत्व

ऐतिहासिक बनेगी विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा

रायपुर से गिरौदपुरी धाम तक गूंजेगा संदेश – 卐बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान

छत्तीसगढ़ से उठेगा समरसता का महासंदेश – रायपुर से गिरौदपुरी तक ऐतिहासिक पदयात्रा

सामाजिक समरसता का नया अध्याय लिखेगी विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा

छत्तीसगढ़ की धरती से उठेगी एकता की गूंज – मनखे-मनखे एक समान

रायपुर/मूक पत्रिका

सतनामी समाज की आस्था, एकता और सामाजिक समरसता के पावन उद्देश्य को लेकर रायपुर से पवित्र गिरौदपुरी धाम तक 18 से 22 फरवरी 2026 तक परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के आशीर्वाद एवं राजागुरु, धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी के सानिध्य में युवराजगुरु गुरु खुशवंत साहेब जी कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नेतृत्व में विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। पदयात्रा को प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी हरि झंडी दिखाकर रवाना करेंगें। बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे-मनखे एक समान के प्रेरक संदेश के साथ यह ऐतिहासिक पदयात्रा समाज व प्रदेश में भाईचारा, समानता और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करने का संकल्प लेकर आगे बढ़ेगी।परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के पावन आशीर्वाद एवं गुरु परंपरा के मार्गदर्शन में आयोजित इस पदयात्रा का शुभारंभ 18 फरवरी 2026 को प्रातः 8:00 बजे सतनाम भवन, मोवा (रायपुर) से किया जाएगा। 5 दिवसीय यह यात्रा लगभग 145 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करते हुए 40 से अधिक गांव एवं शहरों से होकर गुजरेगी और गिरौदपुरी धाम में समापन होगा।पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर समाजजनों द्वारा स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पंथी नृत्य, सतनाम अखाड़ा प्रदर्शन, धूमाल एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा साथ ही समरसता भोज एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नशामुक्ति, स्वच्छता, शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और समरसता का महाअभियान है, जो गुरु घासीदास बाबा जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।समस्त मानव समाज,सतनामी समाज, प्रदेशवासियों एवं श्रद्धालुजनों से आह्वान करते हुए अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर इस ऐतिहासिक पदयात्रा को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

ास्टर एथलेटिक्स में प्रधान पाठक जुगेंद्र प्रसाद साहू ने जीते 4 पदक विकासखंड,जिला सहित पूरे प्रदेश का मान बढ़ाई

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत बरमकेला विकासखंड के प्राथमिक शाला चांटीयाली में पदस्थ प्रधान पाठक जुगेंद्र प्रसाद साहू ने पुनःमध्यप्रदेश के जबलपुर में आयोजित 45 वां राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और उन्होंने कूल 4 पदक जीते,जिनमें 2 रजत और2 कांस्य पदक शामिल हैं 13 से 15 फरवरी तक आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 21 राज्यों के धावकों ने भाग लिया था जिसमें जुगेंद्र प्रसाद साहू ने अपने आयुवर्ग में छत्तीसगढ का प्रतिनिधित्व करते हुए 200 मी रजत पदक 100 मी कांस्य पदक 30 आयु वर्ग रिले रेस 400म100 मीटर में रजत पदक 35 आयु वर्ग रिले रेस 4म400 मीटर में कांस्य पदक प्राप्त किया।मेडल के साथ स्कूल पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया मा शा के प्रधान पाठक चुडामणी चौहान एवं स्टाफ एवं बच्चों ने लड्डू खिलाकर बधाई दिये और बच्चों ने आरती के साथ तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया।प्रधान पाठक चुडामणी चौहान ने उन्हे माला पहनाकर और लड्डू खिलाकर बधाई दी । उन्होने कहा कि प्रधान पाठक जुगेंद्र प्रसाद साहू की यह उपलब्धि न केवल स्कूल बल्कि पूरे शिक्षा विभाग और राज्य के लिए गौरव का विषय है। जुगेंद्र प्रसाद साहू सिर्फ खुद नहीं दौड़ते, बल्कि अपने छात्रों को खेल एवं योगा की नियमित सुबह एवं शाम छात्रों एवं आसपास के युवा एवं बच्चों को सिखाते है।

टारपाली पंचायत में फर्जी बिल के मामले मे मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने लिया संज्ञान, किया जांच टीम का गठन

रायगढ़ /मूक पत्रिका

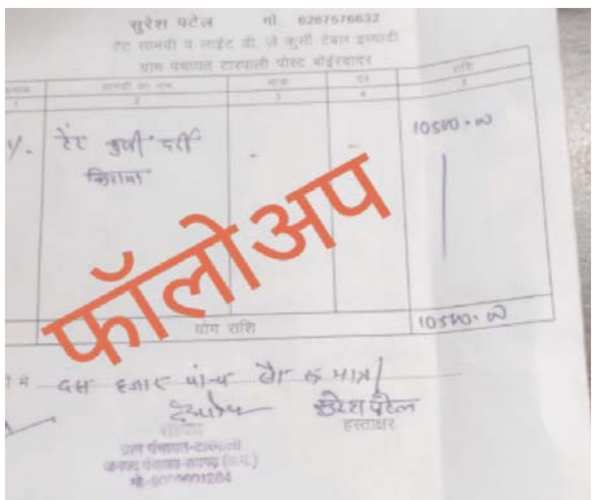

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 15 वित्त योजना जो ग्राम पंचायत की तस्वीर बदलने के लिए बनाई गई थी अब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ते नजर आ रही है ताजा मामला रायगढ़ जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत टारपाली कर है जहां सरपंच व सचिव मिलकर सरकारी खजाने में ऐसी सेंध लगाई है विकास कार्य सिर्फ कागजों में सिमट कर रह गए हैं

जीएसटी के नियमों की धज्जियां, शासन को लगाया चूना– नियमों के मुताबिक 15वें वित्त की राशि को स्वच्छता, नाली, बोर व जल संरक्षण जैसे कार्यों में व्यय करना होता है इसके लिए भुगतान केवल उसी फॅर्म को किया जा सकता है जिनके पास जीवित रजिस्ट्रेशन व वैध टीन नंबर हो लेकिन टारपाली पंचायत मे कर दे कानून को ताक मे रखकर फर्जी बिलों का खेल खेला गया है बिना जीएसटी नंबर के लाखों का आहरण कर भुगतान किया गया है जिससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ बल्कि शासन को मिलने वाली टैक्स की चोरी की गई है

कागजों में विकास, हकीकत में जेब गरम– ग्रामीणों में यह चर्चा आम बात है यदि कोई सामग्री असली दुकान से खरीदी जाती तो पक्का जीएसटी बिल जरूर मिलता बिना वैध बिल के राशि निकालना इस बात का पुख्ता सबूत है सरपंच व सचिव की आपसी मिलीभगत से शासन को गुमराह कर अपनी जेबे भारी है

अधिकारियों की मौन सहमति या संरक्षण – हैरानी की बात यह है कि जनपद पंचायत रायगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत टारपाली मे फर्जी बिल संबंधित भ्रष्टाचार को उजागर किया गया लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरण नींद में सो रहे हैं सवाल यह उठता है कि क्या इन भ्रष्टाचारियों को जनपद पंचायत के उच्च अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है व जनपद पंचायत के अधिकारियों के द्वारा अपने कर्मचारी व सरपंच को बचाया जा रहा है शिकायत के बावजूद कार्यवाही ना होना प्रशासन की कार्य प्रणाली पर गहरा संदेह पैदा करता है यह मामला केवल अनियमिता का नहीं है बल्कि ग्रामीण के विश्वास के साथ धोखाधड़ी का है क्या जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को संज्ञान में लेकर निष्पक्ष जांच करेगा? या फिर टारपाली पंचायत के भ्रष्टाचारियों को भी अन्य पंचायतो की तरह अभयदान देकर व इस मामले को दबा दिया जाएगा। क्या कहते हैं सनत नायक मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायगढ़= इस मामले में जांच टीम गठित की गई है वह जांच प्रतिवेदन अभी नहीं आया है

बहरहाल आगे यह देखना होगा कि संबंधित जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में जांच कर इन भ्रष्टाचारियों के ऊपर कब और किस प्रकार की कार्यवाही की जाती है

बाकी खबर अगले अंक में....

स्वच्छता के प्रति जुनूनः लोक सेतु कार्यालय के संचालक गंगेश्वर सरोज नायक बने प्रेरणा स्रोत

बरमकेला/मूक पत्रिका

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है – और इसी जिम्मेदारी को निभाते हुए लोक सेतु कार्यालय के संचालक गंगेश्वर सरोज नायक ने एक मिसाल पेश की है। उन्होंने अपने कार्यालय परिसर में स्वयं सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। गंगेश्वर सरोज नायक ने कहा कि ÷सफाई किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम अपने घर और कार्यालय के परिसर की सफाई स्वयं करने का संकल्प लें, तो पूरा क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर बन सकता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय हर नागरिक अपने आसपास की साफ-सफाई का दायित्व स्वयं उठाए। स्वच्छ वातावरण न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और अनुशासन भी विकसित करता है। उनकी इस पहल को देखकर आसपास के लोग भी प्रेरित हुए और स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया। लोक सेतु कार्यालय परिसर में दिखाई दी साफ सफाई ने यह साबित कर दिया कि जब इरादे मजबूत हों, तो बदलाव संभव है।

गंगेश्वर सरोज नायक का यह प्रयास समाज के लिए एक संदेश है –÷अपने परिसर की सफाई स्वयं करें, स्वच्छता को आदत बनाएं, और स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।÷ स्वच्छता के इस जुनून ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से ही होती है।

शिक्षा गुणवत्ता को लेकर कलेक्टर ने DEO जे.आर.डहरिया को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मान

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कुमार कन्नौजे द्वारा जिले की शिक्षा गुणवत्ता में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री जे.आर. डहरिया को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने श्री डहरिया के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने अधिक ऊर्जा, समर्पण और सेवाभाव के साथ शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी का उत्साहवर्धन भी किया।इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी श्री डहरिया को बधाई दी। जिले में शिक्षा गुणवत्ता सुधार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को लेकर यह सम्मान हर्ष का विषय माना जा रहा है। जिलेवासियों ने आशा व्यक्त की है कि आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में और भी नवाचार एवं उपलब्धियां हासिल होंगी।

सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 12 माओवादी स्मारक ढहाए, जंगलों में तलाशी के दौरान 2 आईईडी भी मिले, जवानों ने मौके पर ही किया नष्ट

बीजापुर/मूक पत्रिका

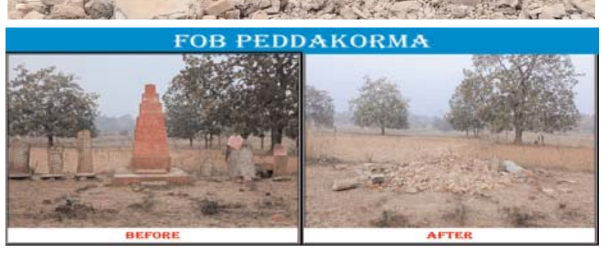

नक्सल विरोधी अभियान के तहत जिले में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। इसी कड़ी में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए जवानों ने कुल 12 माओवादी स्मारकों को ध्वस्त कर दिया और दो आईईडी बरामद कर सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिए। केरिपु डी/214 की टीम एरिया डोमिनेशन पर पील्लूर के जंगल में पहुंची। यहां बड़े काकलेर और पुलगुंडम के पास माओवादियों द्वारा बनाए गए 7 स्मारक मिले। जवानों ने पहले इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान स्मारकों के पास कॉर्डेक्स वायर से तैयार बीयर बोतल में लगाए गए दो आईईडी मिले, जिन्हें बीडीडी टीम ने मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया। इसके बाद सभी स्मारकों को गिरा दिया गया।इसी तरह थाना गंगालूर क्षेत्र में केरिपु 85वीं वाहिनी ने मल्लूर के जंगल में बने करीब 12 फीट ऊंचे स्मारक को ढहा दिया। वहीं केरिपु 222 की टीम ने पालनार के पास 3 और पेद्दाकोरमा में 1 माओवादी स्मारक को एरिया डोमिनेशन के दौरान ध्वस्त किया। अधिकारियों के अनुसार माओवादी इन स्मारकों का इस्तेमाल ग्रामीणों में डर और अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए करते रहे हैं। इन्हें हटाने से इलाके में भय का माहौल कम होगा और लोगों का भरोसा बढ़ेगा। सुरक्षा बलों ने साफ किया है कि माओवादियों के प्रतीकों और प्रभाव को खत्म करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में शांति और विकास का रास्ता मजबूत हो सके।

आबकारी विभाग के आशीर्वाद से फल फूल रहा है अवैध महुआ शराब का कारोबार

बरमकेला /मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत बरमकेला ब्लॉक के ग्राम पंचायत गिरहुलपाली में कच्ची महुआ शराब बनाकर खुलेआम सरिया व बरमकेला के शराब कोचियों को सुबह से शाम तक गाड़ी से पहुंचाया जा रहा हैग्राम पंचायत गिरहुलपाली - में जहां अवैध शराब की बिक्री व सप्लाई बे-रोकटोक जारी है। यहां मदिरा प्रेमियों को गांव में बिना मस्सकत किये ही शराब उपलब्ध हो जा रही है। अवैध रूप से गांव-गांव में संचालित हो रही अवैध शराब की दुकानों ने गांवों का माहौल दूषित कर दिया है। क्षेत्र में शराब के कारण दिनों-दिन अपराधों में वृद्धि हो रही है। साथ ही आसानी से शराब उपलब्ध हो जाने से ग्रामीण व युवा वर्ग शराब की लत में जकड़ता जा रहा है। गिरहुलपाली में जगह-जगह महुआ शराब बिक रही है। गांव में आसानी से कधीी महुआ शराब मिलने से नाबालिक नशे की आदि हो रहे हैं। यहां शराब के नशे में आये दिन गली मोहल्ले में लड़ाई झगड़ा आम बात होने लगा है। शाम होते ही गांव अंदर कच्ची महुआ शराब जोरो से बिक रही है। यहां आबकारी विभाग व पुलिस की उदासीनता के चलते बेखौफ अवैध कच्ची शराब बिक्री जा रही है। ऐसा भी नहीं है कि अवैध शराब के कारोबार की जानकारी सरिया आबकारी व बरमकेला अबकारी विभाग और पुलिस प्रशासन को न हो, लेकिन जानकारी के बाबजूद भी अवैध शराब की बिक्री पर लगाम न लगने से विभाग की कार्य प्रणाली सवालों के घेरे में खड़ी होती दिखाई दे रही है।विभाग की मिलीभगत से फल फूल रहा है अवैध शराब का कारोबार-मिली जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग के जिम्मेदार अफसर अवैध कारोबारियों के साथ मिल बैठे हैं, जिससे यह धंधा फलता-फूलता जा रहा है।गांव-गांव में महुआ की अवैध कच्ची शराब का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है, जिससे सामाजिक ताना-बाना बिगड़ रहा है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, आबकारी विभाग की मिलीभगत या उदासीनता के कारण कार्रवाई ठप है।

बस्तर में बाल संरक्षण की अनूठी मिसाल

कलेक्टर आकाश छिकारा ने सराहनीय कदम उठाए हैं बस्तर में बच्चों 5 को सुरक्षित भविष्य के लिए पोस्टर परिवारो को सौंपा

बच्चों को सुरक्षित भविष्य के लिए फोस्टर परिवारों को सौंपा

जगदलपुर/मूक पत्रिका

जगदलपुर में बाल संरक्षण और बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में जिला प्रशासन ने एक अत्यंत संवेदनशील और सराहनीय कदम उठाया है। कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की फोस्टर केयर योजना के अंतर्गत दो जागरूक परिवारों को कुल 5 बच्चों की जिम्मेदारी विधिवत सौंपी गई। जिला बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार पूर्ण की गई इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को एक सुरक्षित और स्नेहपूर्ण पारीवारिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिन्हें विशेष देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर कलेक्टर - छिकारा ने फोस्टर परिवारों से सीधा संवाद करते हुए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, उत्तम शिक्षा और उनके समग्र पालन-पोषण को लेकर आवश्यक समझाइश देते हुए कहा कि प्रशासन बाल संरक्षण तंत्र को निरंतर सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इन परिवारों को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। बस्तर के इन दो परिवारों द्वारा 5 बच्चों के संरक्षण की जिम्मेदारी उठाना न केवल एक मानवीय पहल है, बल्कि यह ग्राम स्तर पर सामुदायिक भागीदारी और संवेदनशील नेतृत्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश करता है। इस पूरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने में प्रशासनिक तालमेल और तकनीकी विशेषज्ञता का विशेष योगदान रहा। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही, सदस्य श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, श्रीमती धनेश्वरी वर्मा, सन्तोष जोशी, रामकृष्ण ठाकुर सहित जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा और जिला बाल संरक्षण अधिकारी डॉ. विजय शंकर शर्मा की टीम ने बच्चों के सर्वोत्तम हित को सर्वोपरि रखते हुए इस कार्य को सुनिश्चित किया। वहीं तकनीकी सहयोगी के रूप में सीईएसी-यूनिसेफ के जिला अधिकारी रमेश कुमार दास ने फोस्टर केयर प्रक्रिया, क्षमता निर्माण और पारदर्शी दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सामुदायिक जागरूकता और प्रशासनिक तत्परता के समन्वय से शुरू हुई यह पहल न केवल इन पाँच बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी, बल्कि समाज में बाल अधिकारों के प्रति एक नई संवेदनशीलता भी जागृत करेगी। यह कदम भविष्य में जिले के भीतर बाल संरक्षण की एक सुदृढ़ और व्यवस्थित प्रणाली स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।